MPHIN/2021/83938

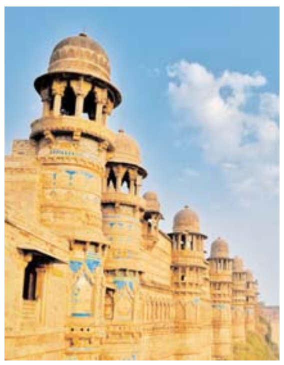

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः 2 ग्वालियर, 9 नवम्बर गुरुवार 2023 पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

मुफ्त राशन योजना को लेकर कांग्रेस पर भड़के पीएम मोदी, चुनाव आयोग से करना चाहती है शिकायत, लेकिन.. पार्टी ने दिया ये जवाब

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को पांच साल बढ़ाने की पीएम मोदी की चुनावी रैली के दौरान की गई घोषणा को लेकर बयावबाजी जारी है. इस बीच पीएम मोदी ने बुधवार (8 नवंबर) को दावा किया कि इसको लेकर कांग्रेस उनके खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत करने वाली है. इस दावे को कांग्रेस ने खारिज किया है. चुनाव आयोग पहुंचे कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल में शामिल अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, कोई भी शिकायत अभी तक हमने चुनाव आयोग में नहीं दी है. मेरी पीठ के पीछे किसी ने कोई शिकायत की हो तो पता नहीं. शायद भविष्य में दे क्योंकि पीएम मोदी जिस तरीक से बोल रहे हैं वो कारण होगा.

पीएम मोदी ने क्या कहा-पीएम मोदी ने मध्य प्रदेश के गुना में कहा कि कांग्रेस वाले परेशान हो गए हैं कि मोदी ने अब 5 वर्ष तक गरीबों के लिए मुफ्त अनाज देने की घोषणा क्यों कर दी है. उन्होंने कहा, कांग्रेस ने घोषणा की है कि वो चुनाव आयोग जाएंगे. मोदी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएंगे. इस दौरान कहेंगे मोदी ने बहुत बड़ा गुनाह किया है. मुझे बताओ कि कांग्रेस की इस हरकत से डरना चाहिए है क्या. कांग्रेस से कहना है कि रोकना चाहते हैं तो कोई सी भी अदालत में चले जाओ. मैं जनता की अदालत के सामने हूं.

कांग्रेस ने राष्ट्रीय खेलों के आयोजन में बुनियादी सुविधाओं की कमी का लगाया आरोप, कहा- गड़बड़ी की जांच हो

गोवा में 25 अक्टूबर से 9 नवंबर के बीच आयोजित राष्ट्रीय खेलों के आयोजन में बुनियादी सेवाओं का अभाव गोवा की प्रमोद सावंत सरकार के लिए किरकिरी साबित हो रहा है. सुविधाओं की कमी को खिलाड़ियों से लेकर विपक्ष ने मुद्दा बनाया है.गोवा में नेता विपक्ष ने गोवा सरकार पर निशाना साधा. गोवा में चल रहे 37वें राष्ट्रीय खेल बुनियादी ढांचे की विफलताओं और साजो-सामान संबंधी गड़बड़ियों के कारण प्रभावित हुए हैं. आरोपों के मुताबिक श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में थोड़ी बारिश के दौरान रिसाव दिखाई दिया और बम्बोलिम में एथलेटिक स्टेडियम में तेजी से पानी भर गया.गौरतलब है कि राष्ट्रीय खेलों के लिए 750 करोड़ रुपये का अनुमानित बजट पास हुआ, जिसमें अधिकांश हिस्सा बुनियादी ढांचे के विकास और नवीनीकरण के लिए आवंटित किया गया है.

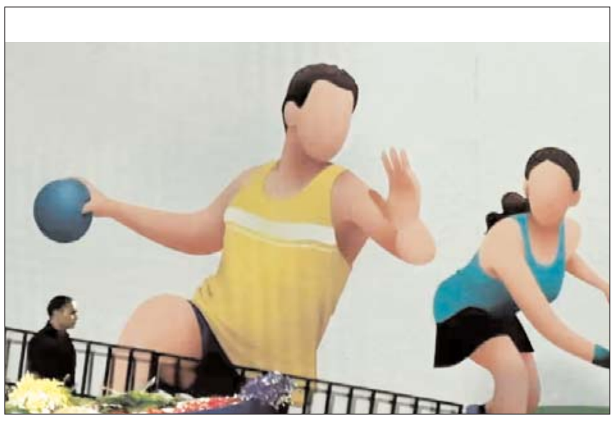

गोवा सरकार पर विपक्ष ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप-गोवा कांग्रेस महासचिव कैप्टन विरियाटो फर्नांडीज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्टीय खेलों की तैयारियों में भ्रष्टाचार के कथित मामलों का आरोप लगाया. उन्होंने जोर देकर कहा, जनता के पैसों के उपयोग में गड़बड़ी हुई है. राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने में विफल रही है कि इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम की मेजबानी के लिए स्थान पर्याप्त रूप से तैयार हैं. बड़े पैमाने पर घोटाले को उजागर करने के लिए एक व्यापक जांच शुरू की जानी चाहिए.

पैदा हो रहा गंभीर सुरक्षा जोखिम-उन्होंने कहा कि इनडोर स्टेडियम में मेहराब (सपोर्ट पिलर) का ढहना, खंभों का टूटना और बारिश के दौरान छत का रिसाव जैसे उदाहरण इस आयोजन में कथित भ्रष्टाचार के प्रमाण के रूप में दिख रहे है. उन्होंने कहा कि ये घटनाएं न केवल राज्य सरकार की प्रतिष्ठा को धूमिल करती हैं

मुंबई में प्रदूषण मुक्त दिवाली अभियान की हुई शुरूआत सीएम शिंदे और डिप्टी सी एम फडणवीस रहे मौजूद

दिवाली से पहले मुंबई में बढ़ते पदूषण को लेकर लोग परेशान हैं. ऐसे में दिवाली के त्योहार को देखते हुए महाराष्ट्र मौसम विभाग और महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने मिलकर मंत्रालय प्रांगण में प्रदूषण मुक्त दिवाली अभियान 2023 शुरू किया. इस अभियान में भारी संख्या में स्कूली बच्चे शामिल हुए.

बच्चे ला सकते हैं लोगों में जागरूकता- सीएम शिंदे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रदूषण मुक्त दिवाली अभियान की शुरुआत की. इसे लेकर सीएम शिंदे ने कहा, ÷हमारे बच्चे ही इस प्रदूषण मुक्त दिवाली के ब्रांड एंबेसडर हैं. बच्चे ही इस अभियान को आगे बढ़ा सकते हैं और लोगों में जागरूकता ला सकते हैं.÷इसे लेकर महाराष्ट्र सीएमओ ने बताया कि इस अभियान में सीएम और डिप्टी सीएम के अलावा मंत्री दीपक केसरकर, ग्रामीण विकास मंत्री गिरीश महाजन, आवास मंत्री अतुल सावे, अल्पसंख्यक मंत्री अब्दुल सत्तार, मुख्य सचिव मनोज सौनिक भी शामिल हुए.

संकल्प अभियान २०२३

बॉम्बे हाई कोर्ट ने जारी किए थे आदेश-दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने के साथ-साथ मुंबई की हवा भी प्रदूषित हो गई है. राज्य में बढ़ते आईक्यू को लेकर सरकार, महानगरपालिका और कोर्ट सब परेशान है. बॉम्बे हाई कोर्ट ने तो मुंबई महानगरपालिका को फटकार भी लगाई है. कोर्ट ने जल्द से जल्द प्रदूषण कम करने की दिशा में काम करने के आदेश दिए हैं.

हाई कोर्ट ने कंस्ट्रक्शन पर लगाई रोक-कोर्ट ने दिवाली तक मुंबई में होने वाले सभी कंस्ट्रक्शन साइट का काम को रोकने का आदेश दिया है. दिवाली के दौरान पटाखों की वजह से भी प्रदूषण बढ़ जाते हैं. इस वजह से लोगों से अपील भी की गई है कि पटाखे जलाने से बचें और प्रदूषण मुक्त पटाखों का इस्तेमाल करें.बीएमसी ने मुंबई में प्रदूषण के बढ़ते हालात के बीच सोना चांदी गलाने वाली चिमनियों पर कार्रवाई भी की है. वहीं सीएम शिंदे ने लोगों से पर्यावरण को स्वच्छ रखने में भूमिका निभाने और प्रदूषण न बढ़ाने की अपील की.

हमास के साथ जारी जंग के बीच इजरायली सेना को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है

. सेना ने सात अक्टूबर को इजरायल पर मिसाइलों की बरसात करने वाले मास्टरमाइंड को मार गिराया है. इस बात की जानकारी खुद इजरायली सेना ने दी है.इजरायल डिफेंस फोर्सेज़ (आईडीएफ़) ने बुधवार को दावा किया कि उसने हमास के नेता मोहिसिन अबु ज़िना को मार गिराया है. आईडीएफ़ के मुताबिक वो हमास के इंटेलिजेंस और वेपन डिमार्टमेंट था और उसी ने सात अक्टूबर को इजरायल पर मिसाइलों की बरसात करने की योजना बनाई थी. अब सेना का दावा है कि उसने अबु ज़िना को मार गिराया है.

कई आतंकियों की हुई मौत-बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ ने कहा कि हमारे सैनिक गाजा पट्टी में अंदर घुसकर हमले कर रहे हैं, जिसमें आतंकियों को मार गिराया जा रहा है.

महागुरु नीतीशानंद महाराज.., नीतीश कुमार पर बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे का तंज

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विधानसभा में महिलाओं को लेकर दिए बयान के बाद चौतरफा घिर गए हैं. एक ओर महिला आयोग ने उनके बयान की आलोचना की और स्पीकर से उनपर कार्रवाई करने की मांग की है. वहीं, दूसरी ओर बीजेपी भी लगातार उनको निशाना बना रही है. इस बीच बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने भी नीतीश कुमार पर निशाना साधा है. दुबे ने बुधवार (8 नवंबर) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷महागुरु नीतिशानंद महाराज का पॉर्न स्टोरी टेलिंग अवश्य सुने और जनसंख्या नियंत्रण करें.

निशिकांत दुबे ने इंडिया गठबंधन को घेरा-बीजेपी नेता ने एक अन्य पोस्ट में इंडिया गठबंधन को घेरते हुए कहा, ÷देखिए यह है गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के सपने देखने वाले प्रत्याशी नीतीश कुमार. पागल भी शरमा जाए? महिलाओं के लिए इतना घटिया विचार, शब्दों की कोई मर्यादा नहीं.÷ इसके साथ ही उन्होंने नीतीश कुमार का वीडियो भी शेयर किया है.

ओवैसी ने की नीतीश की आलोचना

बीजेपी के अलावा चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने भी नीतीश के बयान की निंदा की और कहा कि

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में जो भाषा इस्तेमाल की वह अभद्र थी. उन्हें इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि वह एक प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं.

नीतीश कुमार ने क्या कहा था-गौरतलब है बिहार के मुख्यमंत्री ने मंगलवार (7 नवंबर) को बिहार में जनसंख्या नियंत्रण के लिए महिलाओं के बीच शिक्षा के महत्व पर बोलते हुए बताया था कि कैसे एक महिला संबंध बनाने के दौरान अपने पति को रोक सकती है. नीतीश कुमार ने कहा, ÷पति के कृत्यों के कारण अधिक बच्चे पैदा हुए. हालांकि, शिक्षित महिला जानती है कि उसे पुरुषों को कैसे रोकना है. यही कारण है

दामोह में कांग्रेस पर फिर बरसे पीएम मोदी, कहा- हमारी गारंटी देश आगे ले जाने की और कांग्रेस का काम लूटना

मध्य प्रदेश में 17 नंवबर को विधानसभा की 230 सीटों के लिए मतदान होना है. वोटिंग की तारीख नजदीक आते ही सभी दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार (8 नवंबर) को बीजेपी प्रत्याशियों के लिए प्रचार करने मध्य प्रदेश पहुंचे. यहां दमोह में उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया.जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्र सरकार के कामों का भी बखान किया. उन्होंने कहा, ÷आज पूरा दमोह कह रहा है, एक बार फिर बीजेपी सरकार. आज पूरे विश्व में भारत का पराक्रम लहरा रहा है. भारत की गाथा परे विश्व में सनाई दे रही है. मध्य प्रदेश का आशीर्वाद हमेशा मुझे मिला है, मध्य प्रदेश के मन में मोदी है.÷

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023

रिमोट से चल रहे हैं कांग्रेस अध्यक्ष-उन्होंने आगे कहा, ÷दलित, पिछडे व आदिवासी के मन में नरेंद्र मोदी है. मोदी सिर्फ आपाक सेवक है. आज पूरा दमोह मिलकर कह रहा है- एक बार फिर बीजेपी सरकार.÷ उन्होंने इसके बाद कांग्रेस पर भी हमला बोला. उन्होंने कहा- इन दिनों कांग्रेस के अध्यक्ष रिमोट से चल रहे हैं. वह मेरे अच्छे मित्र हैं. कांग्रेस मुझे दिन में सौ-सौ बार गाली देती है. इतने वर्ष से कांग्रेस गरीबी हटाने का झूठ बोलती है. कांग्रेस हजारों करोड़ रुपये का घोटाला करती है. कांग्रेस एक समाज को दूसरे समाज से लड़ाती है.÷

हमारी गारंटी देश को आगे ले जाने की-मोदी यहीं नहीं रुके. उन्होंने आगे कहा- कांग्रेस को सिर्फ अपने स्वार्थ से मतलब था. 2014 से पहले देश के प्रधानमंत्री रिमोट से चलते थे. हमारी गांरटी खजाने लूटाने की नहीं होती है देश को आगे ले जाने की होती है. कांग्रेस के नेता की नीयत ठीक नहीं थी. आज पूरे विश्व में भारत का परचम लहरा रहा है. हम चांद पर वहां पहुंच चुके हैं, जहां आज तक कोई नहीं पहुंचा है. दुनिया हमारी ताकत देख रही है

अदालतों ने जमानत स्वीकार करना... मनीष सिसोदिया को बेल नहीं मिलने पर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस मदन बी लोकुर ने उठाए सवाल

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस मदन बी लोकुर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कुछ ऐसी बातें कहीं, जिस पर सभी का ध्यान गया. उन्होंने कहा कि ऐसा मालूम पड़ता है कि अदालतें जमानत को स्वीकार या अस्वीकार करने के बुनियादी सिद्धांतों को भूल चुकी हैं. उन्होंने अदालतों के जमानत नहीं देने के फैसले पर कई सवाल उठाए. दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को बेल नहीं दिए जाने को लेकर जस्टिस लोकुर की तरफ से ये सवाल उठाए गए. पूर्व जस्टिस लोकुर ने कहा कि ऐसा लगता है कि अदालतें जमानत देने या इनकार करने के मूल सिद्धांत को भुला बैठी हैं. उन्होंने जांच एजेंसियों की उस मंशा पर भी सवाल उठाया, जिसमें वह अधूरी चार्जशीट फाइल करने और आरोपियों को लंबे वक्त तक जेल में रखने के लिए डॉक्यूमेंट्स जमा नहीं करती हैं. उन्होंने कहा कि अदालत भी जांच एजेंसियों की इस मंशा पर गौर नहीं करती हैं, जो कि काफी दुर्भाग्यपूर्ण बात है.

भ्रष्टाचार के मामलों पर क्या बोले पूर्व जस्टिस-सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस ने कहा कि जरूरत है कि अदालतें जीवन की वास्तविकताओं के प्रति जागें. लेकिन हर बार नेताओं से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में यह देना कि ऐसा राजनीतिक प्रतिशोध के लिए किया गया, ये काफी मुश्किल है. उन्होंने इस बात पर सवाल उठाया कि भ्रष्टाचार के मामलों में सबसे ज्यादा संदेह इस बात पर पैदा होता है कि जब संदिग्ध की वफादारी बदल जाती है, तो उसके खिलाफ चल रही जांच को बंद कर दिया जाता है.

सिसोदिया को बेल नहीं मिलने पर क्या कहा-इंटरव्यू के दौरान जब उनसे पूछा गया कि आप नेता मनीष सिसोदिया को जमानत नहीं दी जा रही है. इस पर उन्होंने कहा कि ऐसा जान पड़ता है कि कोर्ट जमानत देने या फिर इनकार करने के मूल सिद्धांत को भूल गई हैं. अगर किसी व्यक्ति को अरेस्ट किया जाता है, तो आप इस बात को लेकर आश्वस्त हो सकते ह

राजस्थान में जाति के बाद किसान सबसे बड़ा फैक्टर, इन मुद्दों पर कांग्रेस से हैं नाराज, पहुंचा सकते हैं नुकसान

बेशक राजस्थान को लेकर रेगिस्तान की छवि बनती हो और खेती का खयाल न आता हो, लेकिन ऐसा नहीं है. राजस्थान की कुल आबादी (8 करोड़ से अधिक) का बड़ा हिस्सा कृषि गतिविधियों से जुड़ा हुआ है. यही वजह है कि किसान यहां चुनाव में बड़ा फैक्टर है और नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं. कोई भी राजनीतिक दल किसानों को नजरअंदाज या खारिज नहीं कर सकता है. इस वोट को टारगेट करने के लिए सभी राजनीतिक दल अपने-अपने स्तर पर वादा कर रहे हैं, पर किसान अब यह देख रहे हैं कि वादों को पूरा कौन करेगा.कांग्रेस ने 2018 के चुनावों से पहले पूर्ण कृषि ऋण माफी का वादा किया था. इस वादे का असर भी दिखा. कांग्रेस का किसानों को अच्छा समर्थन मिला. हालांकि कई किसानों का कहना है कि कांग्रेस ने पांच साल बाद भी इन वादों को सही से पूरा नहीं किया है. वहीं, कांग्रेस का कहना है कि पिछले पांच वर्षों में सहकारी समितियों से प्राप्त ऋण पूर्णतः माफ किए गए हैं. राष्ट्रीयकृत और अन्य बैंकों के ऋण, केंद्र सरकार से अपेक्षित समर्थन के कारण अभी तक माफ नहीं हो सके हैं. सचिन पायलट कहते हैं कि ÷हमें केंद्र से कोई सहयोग नहीं मिला. हमने सभी ऋण माफ कर दिए होते, लेकिन केंद्र सहयोग नहीं करता है, तो हमारे हाथ बंधे हुए हैं.÷

बीजेपी से भी नाराज हैं किसान-दूसरी तरफ बीजेपी इसे मुद्दा बनाते हुए किसानों को अपनी तरफ करने में लगी है. हालांकि कई किसानों का कहना है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ने ही अपने वादों को पूरा करने के मामले में उन्हें निराश किया है. इसलिए अब उन्हें अब बहुत कम विश्वास है कि दोनों दल अपने किए वादे पूरा करेगी.

किसानों को मनाने में जुटे हैं दोनों दल-बहरहाल, जैसे-जैसे मतदान का दिन नजदीक आ रहा है, कांग्रेस को उम्मीद है कि किसानों को वह अपने खेमे में कर लेगी. पार्टी का कहना है कि कर्ज माफी को हटा दें तो किसानों से किए अपने अधिकतर वादे हम पूरा कर चुके हैं. वहीं भाजपा का अनुमान है कि कांग्रेस सरकार ने किसानों को किए वादे पूरे नहीं किए हैं ऐसे में इसका फायदा बीजेपी को मिल सकता है. कांग्रेस से नाराज किसान वोटर बीजेपी में आ सकता है.

बिजली कटौती से परेशान हैं किसान-राजस्थान के किसान बिजली सप्लाई से भी परेशान हैं. किसान बलविंदर सिंह व मोड़ूलाल ने बताया कि पांच साल तक किसान परेशान रहा. बिजली भले ही फ्री करने की बात कांग्रेस ने की हो लेकिन चुनावी समय में किए जाने से किसानों कोई लाभ नहीं मिला. समय पर गांव में बिजली आती नहीं है और ट्रांसफॉर्मर की समस्या सालों से बनी हुई है.

पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव का आरोप

डबल इंजन भाजपा सरकार ने गरीबों को बार बार कुचला

खरगोन जिले से मुन्ना खान
पुष्पांजली टुडे

खरगोन/ पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरूण यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के 18 वर्षीय कुशासन में गरीबों को उनका हक और अधिकार नहीं मिला । इन लोगों ने गरीबी की मार के साथ महंगाई की डबल मार सही । भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने गरीबों को अपने डबल इंजन से बार बार कुचला और दमन किया है । गरीबों को उनका हक, अधिकार और न्याय दिलाने के लिये भाजपा के डबल इंजन की सरकार से मुक्ति पाना होगी । इसलिये कांग्रेस के हाथ मजबूत करे । क्योंकि कांग्रेस का हाथ हमेशा गरीबों के साथ रहा है । मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे अरूण यादव ने आज बुधवार को कसरावद में अपने छोटे भाई कांग्रेस प्रत्याशी सचिन यादव के समर्थन में जनसंपर्क कर विभिन्न वार्डों में नुक्कड सभाओं को सम्बोधित किया । उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठकों को भी सम्बोधित किया । अरूण यादव ने कहा कि मप्र में गरीबों को मिलने वाला लाखों क्विंटल राशन भाजपा के लोग खा गये । फर्जी राशन कार्डो के कारण योग्य परिवारों को राशन नहीं मिला । ऐसे पात्र परिवार खाने के अधिकार से वंचित हो गए ।

कांग्रेस के राज में गरीब भूखा नहीं सोयेगा -कांग्रेस के किसान, सहकारी और पिछड वर्ग के वरिष्ठ नेता अरूण यादव ने कसरावद में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने गरीबों को वचन दिया है कि उन्हें उनका हक और अधिकार दिलाएंगे । कांग्रेस के राज में उनके साथ न्याय होगा । कांग्रेस पार्टी की सरकार गरीबों को घर पहुँच राशन की सुविधा उपलब्ध करायेगी । गरीबों को निःशुल्क भोजन की व्यवस्था करेंगे । साथ ही गरीबों को आटा, दाल, तेल और शक्कर का देवभोग राशन कीट भी प्रदान करेंगे । कांग्रेस के राज में कोई भी गरीब भूखा नहीं सोयेगा ।

जनसंपर्क अधिकारी
माननीय श्री अरूण यादव जी

45 वर्ष पुराने भाजपा नेता महेश गुर्जर ने दिया पार्टी से इस्तीफा, प्रेसवार्ता के दौरान दी जानकारी

दैनिक पुष्पाजलि टुडे

गोहद, किसान मोर्चा पूर्व प्रदेश कार्य समिति सदस्य महेश सिह गुर्जर ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से स्तीफा दे दिया है तथा भाजपा प्रत्याशी की अनदेखी के कारण मतदाता जागरूकता संघ के माध्यम से गांव गांव जाकर मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है गुर्जर भवन जैल रोड पर आयोजित पत्रकार वार्ता में एडवोकेट महेश सिंह गुर्जर ने भाजपा पर गम्भीर आरोप लगाकर कार्यकर्ताओ के हितों को अनदेखी का आरोप लगाया उन्होंने कहा कि में सन 2008 से लगातार संगठन से कार्यकर्ताओ के हितों को ध्यान रखकर उनको सम्मान दिया जाएगा लेकिन संगठन ने मेरी ड़र बातों पर ध्यान नही दिया तब मुझे दुखी मन से पार्टी से इस्तीफा देना पड़ रहा है में गांव गांव जाकर मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है गोहद का गुर्जर समाज मेरे साथ है लालसिंह आर्य के द्वारा अभी लगनशील कार्यकर्ताओं की अनदेखी की गई है उनके व्यवहार से वरिष्ठ कार्यकर्ता नाराज बैठे हैं आज तक किसी भी वर्ग से उन्होंने चर्चा नहीं की चांद उंगलियों पर गिरने वाले लोगों के बीच में वह रहते हैं मैंने भाजपा में रहकर लगभग 45 साल गुजार दिए लेकिन अब दुखी मन से पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देना पड़ा है

बूथ जिताने की जिम्मेदारी आपकी, विकास की जिम्मेदारी हमारी : नरेंद्र सिंह

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भिण्ड विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नरेंद्र सिंह कुशवाह ने अपने निर्धारित जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत शहर के वार्डों में जनसंपर्क के दौरान नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 17 तारीख को चुनाव होने जा रहा है, जिसमें आप सभी की मुख्य जिम्मेदारी अपनी पोलिंग जीतने की है । श्री कुशवाह ने कहा कि आपके बीच में हमेसा साथ रहकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाना है उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार गरीब कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों की विकास की तस्वीर को बदला है।श्री कुशवाह ने कहा कि भाजपा सभी के विकास के लिए संवेदनशील होकर कार्य करती है।उन्होंने कहा कि यह चुनाव विकास के लिए है मेरे विधानसभा क्षेत्र की जनता ही मेरी भगवान है। जिसके दुख और दर्द को मैं समझता हूं। इस अवसर पर नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष रामनरेश शर्मा,पूर्व अध्यक्ष पवन जैन,मंडल अध्यक्ष प्रदीप सिंह भदौरिया,पूर्व अध्यक्ष राजीव गुप्ता एवं आदि कार्यकर्ता साथ रहे।

रोटरी क्लब ऑफ पाटन, रामानुजन मैथ्स क्लब और पाटन मैथ्स फैमिली ने संयुक्त रूप से वैदिक गणित पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

गणितज्ञ धनराजभाई ठक्कर एवं रूपेशभाई भाटिया द्वारा नि:शुल्क वैदिक गणित संगोष्ठी का आयोजन

पाटन ब्यूरो दैनिक
पुष्पांजली टुडे

गुजरात। श्रीमती के के.गर्ल्स हाई स्कूल के 9वीं से 12वीं तक के लगभग 300 विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय वैदिक गणित कार्यशाला का आयोजन किया गया। रोटरी क्लब ऑफ पाटन, पाटन रामानुजन मैथ्स क्लब एवं पाटन गणित परिवार द्वारा कार्यक्रम आयोजित हुआ। उद्घाटन में रोटरी क्लब के अध्यक्ष रो.जुजारसंग सोढ़ा, विशेषज्ञ मित्र, प्रोजेक्ट चेयरमैन रो. रजनीभाई दवे और रो. हार्दिकभाई चौधरी, रो. भगवानभाई पटेल, रो. आशाबेन दीक्षित, स्कूल प्राचार्य डॉ. दिनेशभाई प्रजापति उपस्थित थे।

इस बार भ्रष्टाचार की नहीं, विकास एवं शिष्टाचार की सरकार को चुनना है: विक्रम मस्ताल शर्मा

कांग्रेस प्रत्याशी ने किया ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा

बुधनी। प्रदेशभर सहित सीहोर जिले में भ्रष्टाचार चरम पर है। जहां देखों वहां पर भ्रष्टाचार है। भाजपा के नेता हो या सरकार के अधिकारी सभी शिष्टाचार को भूल रहे हैं। भ्रष्टाचार के आंकठ में सब इतने डुबे हुए हैं कि उन्हें गरीब जनता का ध्यान ही नहीं है। गांवों में लोगों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही है तो वहीं उन्हें उनका अधिकार भी नहीं मिल पा रहा है। योजनाओं के नाम पर लूट-खसोट मची हुई है। इस बार यदि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आई तो सभी का 25 लाख रूपए का मेडिक्लेम कराया जाएगा, 10 लाख रूपए का बीमा कराया जाएगा। इसके साथ ही किसानों का कर्जमाफ होगा, उनके बिजली के बिल हाफ होंगे। महिलाओं के लिए नारी सम्मान योजना में 1500 रूपए प्रतिमाह दिए जाएंगे। ये बातें बुधनी विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम मस्ताल शर्मा 'हनुमानजी' ने कही है। वे लगातार ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। बुधवार को उन्होंने बुधनी विधानसभा के ग्राम ककरदा, खड़ली, भौमदा, बरखेड़ा, वासनिया खुर्द, वासनिया कला, सांवलखेड़ा, रतनपुर, रानी कुंडी, जाजना, मड्डागांव, नेहलाई, रेवगांव, मरदानपुर, बेराखेड़ी, मांजरकुई, नयागांव सहित कई अन्य गांवों का दौरा किया।विक्रम मस्ताल शर्मा ने कहा कि जिस तरह से विकास के नाम पर भाजपा वोट मांग रही है वह विकास कहीं नजर नहीं आ रहा है। जब विकास कार्य कराए ही नहीं तो फिर किस बात पर वोट मांगी जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि विकास देखना है तो कमलनाथजी के छिंदवाड़ा में जाकर देखिए ऐसा होता है विकास। यहां पर युवाओं को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पा रहा है। गांवों में लोगों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही है और भाजपा विकास की बात कह रही है। उन्होंने कहा कि क्या सिर्फ सड़कें बनाना विकास है, क्या सिर्फ योजनाएं शुरू करना विकास है, क्या सिर्फ योजनाओं का ढिंढोरा पीटना विकास है। ये विकास नहीं है, ये तो भ्रष्टाचार करने के तरीके इजाद किए गए हैं कि सड़कें बनवाओ तो इसमें सभी को जमकर कमीशन मिलेगा। योजनाएं शुरू करो और इन योजनाओं का लाभ भाजपा के नेता और अधिकारी लेते हैं। यदि प्रदेश के साथ ही बुधनी विधानसभा का विकास कराना है तो इस बार कांग्रेस की सरकार को चुनना है। इस दौरान बुधनी विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ **कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता सहित समर्थक भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।**

भाजपा कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस पार्टी का दामन - बुधनी विधानसभा के रेहटी तहसील स्थित रानीकुंडी में भारतीय जनता पार्टी के 50 से अधिक वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने भाजपा को छोड़कर कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की है। भाजपा कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी की गरीब विरोधी, किसान विरोधी और जन विरोधी नीतियों के खिलाफ अपना आक्रोश जाहिर करते हुए कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं। कांग्रेस पार्टी में शामिल होने पर कांग्रेस के विधानसभा प्रत्याशी विक्रम मस्ताल शर्मा ने उनका आत्मीय स्वागत किया और फूलमाला पहनाकर उनका सम्मान किया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहद में मनाया गया विश्व रैडियोग्राफर दिवस

दैनिक पुष्पाजलि टुडे

गोहद /सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहद के मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ वासुदेव सिकारिया के मार्गदर्शन में बुधवार 08 नवंबर को रेडियोग्राफर रवि जोशी के द्वारा केन्द्र पर रेडियोग्राफी दिवस मनाया गया। इस दौरान विल्हेम्स कोनार्ट रॉटजन के चित्र पर पुष्प माला अर्पित करते हुए दीप प्रज्ज्वलित किया गया। एक्स रे मशीन का आविष्कारक विल्हेम्स कोनार्ट रॉटजन के द्वारा 08 नवम्बर 1895 में किया था। उनके इस अविष्कार के लिए 1901 में भौतिक विज्ञान में नोबेल पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया था।रेडियोग्राफर रवि जोशी द्वारा आज उन रेडियोग्राफर को भी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने नर सेवा में एक्सरे मशीन पर कार्य करते करते रेडिएशन के दुष्प्रभाव से कैंसर से पीड़ित होकर मृत्यु को प्राप्त हो गए ।जोशी द्वारा बताया गया रेडिएशन के दुष्प्रभाव से आज भी कई रेडियोग्राफर पीड़ित है।डॉक्टर राजेश शर्मा शिशु रोग विशेषज्ञ द्वारा एक्सरे से होने वाले दुष्परिणाम के बारे में बताया और अनावश्यक रूप से एक्सरे नहीं करवाने की सलाह दी।डॉक्टर आदित्य शर्मा द्वारा एक्सरे के आविष्कार के बाद मेडिकल फील्ड में जो अभूत पूर्व बदलाव हुए उसके बारे में विचार व्यक्त किए उन्होंने एक्सरे, सिटी, एमआरआई, अल्ट्रासाउंड मशीनों के बारे में जानकारी दी।कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉक्टर निकिता सिंघल डॉक्टर विक्रम मिलन, डॉक्टर अर्जुन सिंह भदौरिया दंतरोग विशेषज्ञ एवम सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी पूजा शर्मा, योगेश सिंह, डॉक्टर जितेन्द्र भटेले, स्तुतिपाल, रागिनी,मनोज कुमार, अंकिता चांचड , डॉक्टर अरविंद कुशवाह, डॉक्टर सत्यनारायण, लैब टेक्नीशियन मुनेंद्र बघेल, फार्मासिस्ट प्रदीप शर्मा, टीबी ट्रीटमेंट सुपरवाईजर अरुण सिंह भदौरिया, बीसीएम राघवेंद्र सिंह, बीपीएम वीरेंद्र अटल, लेखपाल पूरन सिंह एवम अस्पताल स्टाफ उपस्थित रहा।

20 सेन्टीमीटर लंबा 9 लोहे की खिले पेट से निकला, प्रदेश का पहला मामला

पुष्पाजंली टुडे

जोधपुर । श्रीराम हॉस्पिटल महामंदिर शाका में एक अनोखा और चोकाने वाला केस दर्ज हुआ, 40 साल का युवा को खाना निगलने की तकलीफ और लकड़ी का टुकड़ा फसा होने के वजह से लाया गया।गैस्ट्रो डॉक्टर प्रकाश चौधरी ने एंडोस्कोपी द्वारा झांच किया तो पता चला की पेट में बहुत सारी लोहे की खिल पड़ी है। पूछताछ से पता चला की मरीज पिछले कही सालों से अपने मानसिक स्थिति के वजह से अजीब तरीके की पूजा पाठ करता था और धीरे धीरे लोहे की चीज खाने लगा। पेट के अंदर करीब 20 सेन्टीमिटर जितने लंबी 9 खिल और दो सेफ्टी पिन भी थे,और इतने बड़े, नुकीले,वजनदार चीज को बिना कोई नुकसान से पेट से निकलना बहुत मुश्किल था। डॉ प्रकाश ने बिना हिम्मत हारे करीब 2-3 घंटे चले ऑपरेशन में बिना कोई चीर फाड़ के सारे खिल को दूरबीन द्वारा सफलता पूर्वक निकला। डॉक्टर प्रकाश ने बताया की सब खिल को ह्म्श्लद्ध द्बश्ह्म्द्बह्य के मदद से निकाला गया, बहुत वजन होने के वजह से काफी मशकत करनी पड़ी लेकिन आखिर में सफल रहे। हॉस्पिटल संचालक डॉ चंडक ने बताया की ऐसा केस प्रदेश में पहली बार हुआ है जिसमे इतने सारे खिल और इतने लंबे आकर वाले को एंडोस्कोपी द्वारा निकला गया हो और टीम में शामिल डॉ प्रकाश ,डॉ नितेश अरोरा, स्टाफ, जितेंद्र, पवन,मुकेश, कमल को बधाई दी।

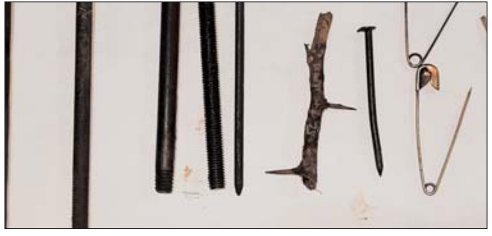

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दमोह में आयोजित जनसभा को किया संबोधित

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। परिवारजनों, आज देश के गरीब, दलित, ओबीसी, पिछड़े और आदिवासी सभी के मन में मोदी के लिए असीम प्यार है। मोदी कुछ नहीं है, सिर्फ आपका सेवक है और आपके जीवन से मुश्किलें कैसे कम हों, आपका जीवन कैसे बेहतर बने, यही मेरी प्राथमिकता है। देश को आजाद हुए इतने साल हो चुके हैं, इतने सालों में कांग्रेस पार्टी देश से बार-बार एक ही झूठ बोलती रही। गरीबी खत्म करने का नारा लगाती रही, लेकिन गरीबी खत्म नहीं कर पाई, क्योंकि कांग्रेस के नेताओं की नीयत ठीक नहीं थी। कांग्रेस के राज्य में गरीब और गरीब होता गया, अमीर और अमीर होते गए। लेकिन आज केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार है और देश गरीबी से बाहर निकल रहा है, अपनी गरीबी दूर कर रहा है। यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दमोह के इमलाई गांव में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कही। सभा को केंद्रीय मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने भी संबोधित किया जमीन से अंतरिक्ष तक हो रहा भारत का गौरवगान,प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आप सभी के आशीर्वाद से पूरे विश्व में आज भारत का परचम लहरा रहा है। आज जमीन से लेकर अंतरिक्ष तक भारत का गौरवगान हो रहा है। भारत का चंद्रयान वहां पहुंचा है, जहां दुनिया का कोई देश नहीं पहुंचा। भारत में हुए जी-20 सम्मेलन की प्रशंसा पूरे विश्व में हो रही है। भारत के युवा खेलों में नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत का यह गौरव गान संभव न हो पाता अगर एमपी का इतना आशीर्वाद मुझे न मिला होता, आपका इतना प्यार मुझे न मिला होता। इसी प्यार के चलते गांव के लोग हों या शहर के, पढ़े-लिखे लोग हों या अनपढ़, पुरुष हो या स्त्री, सभी यही कहते हैं- एमपी के मन में है मोदी और मोदी के मन में है एमपी देश दुनिया की तीसरी आर्थिक ताकत बनेगा, यह मोदी की गारंटीप्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत में हो रहे विकास की चर्चा कर रही है। 2014 में जब हम सरकार में आए तब हमारा देश दुनिया की दसवें नंबर की आर्थिक ताकत था। हम दसवें नंबर से छठे नंबर तक पहुंचे, तब तक इसकी कोई चर्चा नहीं हुई। लेकिन जैसे ही हम छठे नंबर से पांचवें नंबर पर पहुंचे, हर कोई इस बारे में बातें करने लगा। अखबारों में लेख छपने लगे, टीवी पर डिबेट होने लगी। इसकी वजह यह थी कि पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बनते ही भारत ने उस देश को पीछे छोड़ दिया था, जिसने 200 साल हम पर राज किया था। श्री मोदी ने कहा कि यह मोदी की गारंटी है, आप लिख लीजिए, जब तीसरी बार आप आशीर्वाद देंगे और मेरा सेवाकाल शुरू होगा, मैं इस देश की अर्थव्यवस्था को दुनिया की टॉप-3 अर्थव्यवस्थाओं में लाकर रहूंगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी गारंटी खजाने लूटने की गारंटी नहीं होती, देश को आन, बान, शान के साथ आगे बड़ाने की होती है। हमारी गारंटी वोट बटोरने की नहीं होती, हमारी गारंटी देशवासियों का सामर्थ्य बड़ाने की होती है इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री वीरेन्द्र खटीक, दमोह प्रत्याशी जयंत मलैया, रहली प्रत्याशी गोपाल भार्गव, पथरिया प्रत्याशी लखन पटेल, जवेरा प्रत्याशी धमेन्द्र लोधी, हटा प्रत्याशी श्रीमती उमादेवी खटिक, पवई प्रत्याशी प्रहलाद सिंह लोधी, बंडा प्रत्याशी वीरेन्द्र सिंह मंचासीन थे।

नागौद विधानसभा के भाजपा प्रत्यासी नागेन्द्र सिंह का परिचय

दैनिक पुष्पांजलि टुडे
तहसील रिपोर्टर नागौद ,, जिला सतना मध्य प्रदेश।।
रिपोर्टर का नाम ,,प्रशांत उपाध्याय

नागौद-सतना जिले की नागौद विधानसभा के प्रत्यासी नागेन्द्र सिंह का जन्म नागौद राजपरिवार में हुआ,नागौद रियासत के महाराजा स्व महेंद्र सिंह जू देव और महारानी स्व श्याम कुमारी सिंह सुपुत्र है नागेन्द्र सिंह।नागेन्द्र सिंह का जन्म 3 मार्च 1943 को हुआ ,नागेन्द्र सिंह सुयोग्य और शिक्षित प्रत्यासी है, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने बाद ये जनसंघ से जुड़ गए और ,नागेन्द्र सिंह की पत्नी का नाम श्रीमती तारा राज्यलक्ष्मी है ,इनके दो सुपुत्र है।जनसंघ से जुड़ने के बाद नागेन्द्र सिंह राजनीति में सक्रिय रहे और संगठन में विभिन्न दायित्वों पर कार्य करते रहे।नागेन्द्र सिंह पहली बार नागौद विधानसभा से 1977 में चुनाव लड़े और विधायक बने ।1980 में दूसरी बार नागेन्द्र सिंह फिर विधायक चुने गए और 1985 तक विधायक रहे।सन 1990 में नागेन्द्र सिंह म प्र पर्यटन निगम के अध्यक्ष (राज्यमन्त्री दर्जा)बने।2003 में भारतीय जनता पार्टी के टिकिट पर विधायक बने और म प्र में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने पर 2005 से 2007 तक राज्य मंत्री गृह,तकनीकी शिक्षा,सार्वजनिक सम्बन्ध म प्र शासन का दायित्व निभाया,2008 में नागेन्द्र सिंह फिर विधायक बने और 2008 से 2013 तक कैबिनेट मंत्री नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण एवं लोक निर्माण विभाग म प्र शासन का दायित्व निभाया।2014 में नागेन्द्र सिंह खजुराहो लोकसभा से सांसद चुने गए ।15 सितंबर 2014 को बतौर सांसद आप कई समितियों जैसे कि सतत विकास,वित्त और ब्यापार सम्बन्धी स्थाई समिति,अंतर संसदीय संघ,परामर्श समिति,खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय,कम्प्यूटर प्रावधान सम्बन्धी समिति,विज्ञान प्रद्योगिकी एवं वन सम्बन्धी स्थाई समिति के सदस्य चुने गए।बतौर सांसद नागेन्द्र सिंह ने कई संसदीय समितियों का प्रतिनिधित्व करते हुए वैश्विक स्तर पर भारत का पक्ष रखकर एक मिशाल कायम की और भारत देश का मान बड़ाया।2018 में भाजपा ने नागेन्द्र सिंह को पुनः नागौद क्षेत्र से प्रत्यासी बनाया और नागौद सीट फिर भाजपा के खाते में आ गई और 2018 से अभी तक नागेन्द्र सिंह ने विधायक का दायित्व निभाते हुए नागौद विधानसभा क्षेत्र में बड़े स्तर पर विकास कार्यो को स्वीकृत करवाया कुछ कार्य पूर्ण हो चुके है,कुछ कार्य प्रगति पर है और कुछ बड़े कार्य स्वीकृत होने के बावजूद आदर्श आचार संहिता के कारण विराम लिए है।नागेन्द्र सिंह का लंबा राजनैतिक कैरियर होने के साथ कई बड़े दायित्वों की जिम्मेदारी भी मिली लेकिन उनका अभी तक का राजनैतिक जीवन निर्दाग और निष्कलंक रहा।नागेन्द्र सिंह को फिर भाजपा ने मैदान में उतार दिया है अब आगे देखना है कि निर्मल छवि,विकासपुरुष,राजनैतिक सुचिता के प्रतीक नागेन्द्र सिंह पर जनता फिर मोहर लगाती है या फिर बदलाव की बयार में नागौद की प्रबुद्ध जनता भी बहक जाती है।

कलेक्टर मऊगंज ने छात्रावास अधीक्षक को दिया नोटिस

पुष्पांजली टुडे रीवा
पुष्पेंद्र सिंह (ब्यूरो चीफ मऊगंज)

रीवा। कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव ने अनुसूचित जनजाति, सीनियर बालक छात्रावास मऊगंज के अधीक्षक नागेन्द्र प्रसाद मिश्रा को कारण बताओ नोटिस दिया है। अपर कलेक्टर एवं तहसीलदार मऊगंज द्वारा शाम 7 बजे निरीक्षण के दौरान श्री मिश्रा छात्रावास से बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। छात्रावास में दर्ज 50 छात्रों में से केवल 14 उपस्थित पाए गए। छात्रावास की भोजन व्यवस्था तथा आवास व्यवस्था अव्यवस्थित पाई गई। शौचालयों में साफ-सफाई का अभाव पाया गया। इसे गंभीर लापरवाही तथा अनुशासनहीनता मानते हुए मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1966 के प्रावधानों के तहत कारण बताओ नोटिस दिया गया है। नोटिस का तीन दिवस की समय सीमा में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने रीवा न्यायालय के अधिवक्ताओं से किया जनसंपर्क

पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी (भीम)

रीवा। रीवा विधानसभा के जनता जनार्दन के आशीर्वाद से यदि मैं विधानसभा क्षेत्र रीवा से विधायक के रूप में विधानसभा पहुंचा तो विंध्यवासियों सहज एवं सुलभ न्याय दिलाने तथा उनके ऊपर आने वाले आर्थिक भार को कम करने के लिए रीवा में उच्च न्यायालय की खण्डपीठ (बेंच) की स्थापना कराऊंगा व वर्तमान न्यायालय भवन में खण्डपीठ (बेंच) स्थापित होगी। यहाँ जिन लोगों द्वारा भवन को गिराकर अपने चहेते बिल्डर को देने की जो साजिश रची जा रही है वह पूरी नहीं होने दूंगा। यह विचार कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने रीवा न्यायालय के अधिवक्ताओं से जनसंपर्क के दौरान कही व उनसे 17 तारीख को अपने पक्ष में मतदान करने की गुजारिश की।इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने ाज जिला न्यायालय का भ्रमण एवं जनसंपर्क, प्रताप मैरिज गार्डैन, नए बस स्टैण्ड के पास, ग?रिया दुर्गा मंदिर के पास हरिजन बस्तीं, कुशवाहा टोला, गोलम्बर पार्क के पास बाणसागर, मानस भवन के पीछे, फोर्ट रोड, रामविलास काम्पलेक्स होटल लैण्डमार्क के सामने जनसंपर्क के दौरान उम? जनसैलाब के बीच उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में सत्ता परिवर्तन की बयार बह रही है। भाजपा का जाना तय और कांग्रेस पार्टी की जन हितैषी सरकार बनना सुनिश्चित है। सेवा निवृत्त कर्मचारियों, व्यापारियों एवं कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के वचन पत्र में सभी के हितों का ध्यान रखा गया है तथा भाजपा के शासन में जिन लोगों के जायज हितो पर कुठाराघात किया गया है उन सभी समस्याओं का समाधान तत्काल किया जाएगा। पुरानी पेंशन बहाल करना, धारा 49 समाप्त करना, केन्द्र के समान राहत राशि तथा एरियर्स का भुगतान करना, 25 लाख रू. बीमा कराने जैसी योजनाओं का लाभ मिलेगा। जी.एस.टी. के कारण छोटे मझले व्यापारियों का व्यापार में जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई करने का काम कांग्रेस पार्टी करेगी। अंत में कांग्रेस प्रत्याशी ने 17 सितम्बर को शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की।इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त रीवा संसदीय क्षेत्र के सह प्रभारी विनोद शुक्ला ने अपना सार गर्भित उद्बोधन देते हुए कहा कि आपके उम्मीद्वार प्रत्येक दृष्टि से सुयोग्य, राजनैतिक अनुभवी, मृदुभाषी, सरल और सहज व्यक्तित्व के धनी है इन्हें अपना अमूल्य वोट दें तथा इस आतताई सरकार को बदलें।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजेन्द्र पाण्डेय, घनश्याम सिंह, अखण्ड प्रताप सिंह, अखिलेश सिंह, एड. सुधीर सिंह, रवीन्द्र सोहगौरा, जयशंकर मिश्रा, अशफाक अहमद, राजेन्द्र तिवारी राजू, वीरेन्द्र सिंह, सतीश तिवारी, देवेश मिश्रा, लक्ष्मीनारायण मिश्रा, दिनेश सेन, बृजेन्द्र शुक्ला, राजेन्द्र मिश्रा, शहीद मिस्त्री, संदीप तिवारी, आनंद कुशवाहा, दुर्गेश पटेल, अनिल सिंह, शिव सिंह, बृजेन्द्र सिंह, दीपक गुप्ता, फिरोज खान, जावेद अंसारी, रफीक अंसारी, डॉ. अमित तिवारी, हर्षलाल शुक्ला, डॉ. अशोक चतुर्वेदी, डॉ. स्वतंत्र सिंह, ओंकार नाथ पाण्डेय, विजय सिंह, आई. पी. तिवारी, डॉ. सी. बी. शुक्ला, मोलेराम द्विवेदी सहित कई अधिवक्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी इंजी. राजेंद्र शर्मा के हाथो अनेकों लोग ने ली कांग्रेस की सदस्यता

पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी (भीम)

रीवा।स्थानीय प्रताप मैरिज गार्डेन में चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रातांध्यक्ष डॉ. अमित तिवारी व शिक्षक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष हर्षलाल शुक्ला के उपस्थिति में सेवानिवृत्त व्याख्याता एवं शिक्षक कांग्रेस के संभागीय अध्यक्ष आबाद खान के नेतृत्व में उनके अनेकों साथियों ने लोकसभा प्रभारी विनोद शुक्ला एवं कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी इंजी. राजेन्द्र शर्मा के हाथों कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया। नेताद्वय ने कांग्रेस पार्टी का अंग वस्त्र पहना कर इन्हें सदस्यता दिलाई और कहा कि आप लोगों के आने से कांग्रेस पार्टी बहुत मजबूत हुई है और आसन्न चुनाव में कांग्रेस पार्टी को बहुत लाभ मिलेगा। आप सबके सम्मान का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शहीद खान, जहीद खान, उमर निजामी, रसीद खान, आदिल खान, असलम खान, डी डी खान, अर्पित मिश्रा, प्रशांत पाण्डेय, अभिषेक पाण्डेय, लकी सिंह सेंगर, सुमन उपाध्याय, गौरव पाण्डेय उपस्थित रहे।

सेमरिया विधानसभा क्षेत्र में शुरू हो गया अब घटिया राजनीति का दौर

आपसी विवादों को भी राजनीति से जोड़कर घसीट रहे नेताओं का नाम

पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी (भीम)

रीवा। जैसे-जैसे चुनाव की तारीख है नजदीक आ रही है वैसे-वैसे घटिया राजनीति का इस्तेमाल भी गांव गवई में दिखने लगा है। ऐसा ही एक मामला सेमरिया थाना अंतर्गत खारा गांव का सामने आया है जिसमें एक दलित युवक आपसी विवाद के चलते मारपीट का शिकार हुआ और आसपास के बदमाश किस्म के युवकों ने घायल युवक को बरगला कर आरोपियों के नाम में एक प्रत्याशी समर्थक होने की बात कहलवाई गई। वही इलाज कराने के बाद जब वह लौटा है और उसकी समझ में आया कि कुछ लोग उसे गलत कहलवा रहे हैं तो उसने क्षमा याचना मांगते हुए कहा कि उससे भूल हो गई है । उसके साथ जो मारपीट की घटना घटी है वह आपसी रंजिश के चलती हुई थी इसमें किसी राजनीति से जुड़े व्यक्ति का मामला नहीं था। जिस युवक के साथ मारपीट की गई उसका नाम उमाशंकर सेन है। इसका कहना था कि इस मामले में अभय मिश्रा के नाम को गलत तरीके से लिया जा रहा है मैं तो उनके साथ ही हूं। इस घटनाक्रम के बाद पूरी तरह से स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस की बेहतर स्थितियों को देखते हुए विरोधी पक्ष हर तरह के हथकंडे अपनाने का प्रयास करना शुरू कर चुके हैं, हालांकि यह बात प्रशासन को भी पता है और जनता को भी। उक्त संबंध में एक वीडियो में भी उमाशंकर सेन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उसके साथ आपसी रंजिश के साथ मारपीट की गई थी। उमाशंकर का साफ कहना था कि वह खुद भी तो कांग्रेस से ही जुड़ा हुआ है विरोधी जानबूझकर ऐसा प्रचारित करवा रहे हैं ताकि किसी की छवि धूमिल हो और उसका वह राजनीतिक तरीके से दुरुपयोग कर सके।

गोविन्दगढ़ पुलिस की कार्यवाही गंभीर वारदात की फिराक में धारदार हथियार लेकर घूम रहे एक आरोपी को पुलिस नें अबैध चाकू के साथ किया गिरफ्तार

पुष्पांजली टुडे
शिवम तिवारी (ब्यूरो चीफ)

रीवा।। पुलिस अधीक्षक श्री विवेक सिंह,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर,डीएसपी मुख्यालय हिमाली पाठक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल द्वारा स्टाफ सहित मु?बिर की सूचना पर गहिरा तिराहे के पास अवैध चाकू लिए घूम रहा आरोपी शहीद उर्फ शाहिद पिता मो.गुलशेर थाना गोविंदगढ़ जिला रीवा के पास एक लोहे का धारदार चाकू लिए घूमते पाए जाने पर से थाना गोविन्दगढ़ रीवा में अपराध क्रमांक 391/2023 धारा 25-क्बआर्म्स एक्ट अभिरक्षा में लिया गया (गिरफ्तार)किया गया है जहाँ से न्यायालय द्वारा आरोपी को जेल भेज दिया गे सराहनीय भूमिका थाना प्रभारी गोविन्दगढ़ शिवा अग्रवाल, ,स्ढ्ढ गुलाब सिंह सिंह ,सउनि संतोषी सिंह,प्रधान आरक्षक केमला प्रसाद ,आरक्षक नरेन्द्र तिवारी ,गीतांजली झारिया, कौशलेंद्र सिंह।

थाना गोविन्दगढ़
जिला रीवा (म.प्र.)
शिवा अग्रवाल

थाना गोविंदगढ़ पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध की गई कार्यवाही

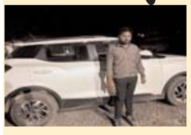

पुष्पांजली टुडे
शिवम तिवारी (ब्यूरो चीफ रीवा)

रीवा। दिनांक 7/11/023 को वाहन चेकिंग के दौरान गोविंदगढ़ थाना स्टाफ द्वारा शराब पीकर रोड पर फोर व्हीलर चलाने वाले वाहन के चालक सुभाष गुप्ता पिता अम्बिका प्रसाद गुप्ता उम्र 28वर्ष निवासी आदर्श नगर के पास विरुद्ध थाना गोविंदगढ़ से इस्तगासा क्रमांक 14/23धारा 185, एमवी एक्ट के तहत इस्तगासा कायम किया जाकर माननीय न्यायालय में इस्तगासा पेस किया जाएगा।

सार्वजनिक दीपोत्सव एवं मिलन मानस भवन में 20 नवम्बर को

रंगोली, एकल, समूह नृत्य प्रतियोगिता के साथ होगा सम्मान समारोह

पुष्पांजली टुडे

रीवा। लगातार 24 वर्षो से हिन्दू उत्सव समिति धर्म परिवार द्वारा रजत जयंती सार्वजनिक दीपोत्सव-2023 इस वर्ष 20 नवम्बर को सायं 06:00 बजे से 10:00 बजे तक स्थानीय मानस भवन में मानस मंडल परिवार के साथ संयुक्त रूप से मनाया जायेगा जिसमें दीपावली मिलन पर मानस मंडल के सदस्यों एवं गणमान्य नागरिको को आमंत्रित किया जायेगा वरिष्ठ पदाधिकारियों में अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू, आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी, कार्यक्रम संयोजक सुनील अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजन की रूपरेखा तैयार की जा रही है। यह जानकारी युवा शाखा अध्यक्ष सुमित मॉजवानी ने दी है।धर्म परिवार के युवा अध्यक्ष श्री मॉजवानी ने बताया कि 20 नवम्बर को दोपहर 12:00 बजे रंगोली प्रतियोगिता की जायेगी एवं सायं 06:00 बजे से एकल एवं समूह नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन सम्पन्न होगा। नृत्य प्रतियोगितायें दीपावली, धार्मिक, राष्ट्रीय, सामाजिक एवं लोक गीतो पर आधारित ड्रेड कोड में होगी। प्रतिभागियों का पंजीयन प्रारम्भ कर दिया गया है। प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय, विशेष पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जायेगा आयोजन को भव्य बनाने युवा शाखा के संरक्षक संजय तिवारी मुन्नू संयोजक रामकृष्ण अग्रवाल, उपाध्यक्ष राकेश आसवानी, महासचिव अंशुमान गुप्ता को जिम्मेदारियॉ सौंपी गई है। रजत जयंती वर्ष के सार्वजनिक दीपोत्सव-2023 को यादगार बनाने धर्म परिवार के सभी पुराने सहयोगियों को भी पधारने का अनुरोध किया जायेगा।

भवदीय
नारायण डिगवानी

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सभी अधिकारी कर्मचारीयो को तत्काल घोषणा पत्र प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

पुष्पांजली टुडे

रीवा। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार कोई भी अधिकारी तथा कर्मचारी राजनैतिक गतिविधि एवं चुनाव प्रचार में भाग नही ले सकता है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने निर्देश दिये हैं कि सभी अधिकारी तथा कर्मचारी तत्काल इस आशय का घोषणा पत्र प्रस्तुत करे की विधानसभा निर्वाचन के कोई भी उम्मीदवार उनके परिवार के सदस्य अथवा निकटवर्ती रिश्तेदार नही है। घोषणा पत्र अपने कार्यालय प्रमुख के माध्यम से जिला निर्वाचन कार्यालय में प्रस्तुत करें।

` पटाखों की दुकानों में भी लगेंगे मतदाता जागरूकता के बैनर

पुष्पांजली टुडे

रीवा। दीपावली में पटाखे तथा आतिशबाजी की परंपरा है। पूरे जिले में शासन से अनुमति लेकर ब?ी संख्या में पटाखों की बिक्री के लिए दुकानें लगाई जा रही हैं। इन दुकानों में ब?ी संख्या में आमजनों का आना-जाना होता है। इसे ध्यान में रखते हुए नोडल अधिकारी स्वीप डॉ सौरभ सोनवणे ने सभी रिटर्निंग आफीसरों एवं एसडीएम को पटाखों की दुकानों में मतदाता जागरूकता के पोस्टर, बैनर तथा फ्लैक्स लगवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि उपयुक्त स्थल पर मतदाताओं को मताधिकार के उपयोग के लिए प्रेरित करने वाले पोस्ट, बैनर तथा फ्लैक्स पटाखों की दुकानों में लगवाएं।

कलेक्टर ने चुनाव प्रशिक्षण में अनुपस्थित 6 कर्मचारियों को किया निलंबित

पुष्पांजली टुडे

रीवा। विधानसभा निर्वाचन के लिए तैनात मतदान दल के सदस्यों का विधानसभावार चुनाव कार्य का प्रशिक्षण जिला मुख्यालय में दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का आदेश प्राप्त करने के बावजूद प्रशिक्षण में शामिल न होने वाले 6 कर्मचारियों को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिए हैं। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को संबंधित अधिकारी को आदेश की तामीली कराने तथा एक सप्ताह की समय सीमा में आरोप पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने सहायक शिक्षक जगलाल कोल उमावि कटरा, धीरेन्द्र बहादुर रावत प्रयोगशाला शिक्षक हायर सेकण्डरी स्कूल खटखरी, बालकृष्ण मिश्रा शिक्षक हाई स्कूल बुदामा, राकेश आदिवासी माध्यमिक शिक्षक पूर्व माध्यमिक विद्यालय घुसरूम, संतोष पाण्डेय सहायक अध्यापक प्राथमिक शाला चपरिहन पुरवा तथा राजेन्द्र प्रसाद द्विवेदी सहायक शिक्षक उत्कृष्ट मार्तण्ड क्रमांक एक रीवा को निलंबित करने के आदेश दिए हैं।

जयलाल पटेल के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने थामा कांग्रेस का हांथ

कुंवर कपिध्वज सिंह के हांथों ग्रहण की गई सदस्यता

पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी (भीम)

रीवा।वरिष्ठ समाजसेवी जयलाल पटेल के निज निवास पर पहुंचे कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर कपिध्वज सिंह भइया का दीप कलश के साथ स्वागत सत्कार किया गया, तत्पश्चात भइया साहब के हांथों बड़ी संख्या में पटेल समाज के अलावा अन्य समाज के लोगों ने जयलाल पटेल के निज आवास पर पहुंच कर कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर कपिध्वज सिंह भैया साहब के हाथों कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और कांग्रेस पार्टी की रीति नीति के साथ कदम से कदम मिलाकर पार्टी व भइया साहब को विधानसभा चुनाव में मजबूती प्रदान करने का संकल्प लिया, इस अवसर पर श्लोक पटेल, रामावतार पटेल, मृत्युंजय पटेल, रामराज पटेल, वीरेंद्र पटेल, नरेंद्र पटेल, पारस नाथ पटेल, रामजी पटेल, नारायण पटेल, रामराज पटेल, शीलू पटेल, मधु पटेल, राजा पटेल, गोलू पटेल निशा पटेल, विमला पटेल, पूजा पटेल, पायल पटेल, के साथ बड़ी तादात में लोग शामिल रहे और कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

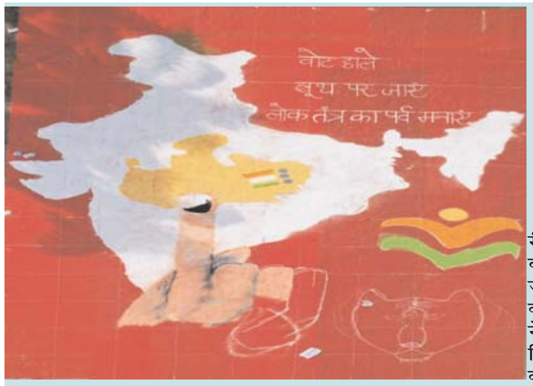
वोट डाले
बूथ पर जाए
लोक तंत्र का पर्व मनाए

रीवा की बेटी का कमाल, कलेक्ट्रेट में बना दी इतनी बड़ी रंगोली कि बनने वाला है रिकार्ड

रीवा की बेटी ने फिर कमाल किया है। एक और रिकार्ड बनाने की तैयार है। इस मर्तबा लोगों को वोटिंग के लिए जागरुक करने सबसे बड़ी रंगोली बनाई है। यह रंगोली कलेक्ट्रेट परिसर में तैयार की गई है। इसमें जिला प्रशासन ने बिटिया का पूरा सहयोग किया है। इंडिया और एशिया रिकार्ड के लिए आवेदन कर दिया गया है रीवा की बेटी का कमाल, कलेक्ट्रेट में बना दी इतनी बड़ी रंगोली कि बनने वाला है रिकार्डरीवा। आप को शायद विभूमि मिश्रा का नाम याद ही होगा। यह वही विभूति हैं जिसने सैनिटरी पैड वा दवाइयों के माध्यम से एशिया की सबसे बड़ी मेडिसिनल पोर्ट्रेट बनाई थी और रीवा का नाम रोशन किया था। इस पोट्रेट के बाद फिर उन्होंने एक और बड़ा काम किया है। इस बार रिकॉर्ड की थीम सत प्रतिशत मतदान को लेकर है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल के नेतृत्व तथा अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, जिला पंचायत सीईओ संजय सोनवडे ,प्रशिक्षु आईएएस सोनाली दवे के मार्गदर्शन में 70 बाई 45 वर्ग फीट में मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए रंगोली बनाई है। जो निश्चित तौर पर पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को आकर्षित करेगी। अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह की माने तो मतदान के प्रति सभी लोगों को जागरूक करने के लिए कलेक्टर कार्यालय के बगीचे में बनाई जा रही यह सबसे बड़ी रंगोली जहां लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगी। वहीं नव मतदाता के लिए यह सेल्फी प्वाइंट भी हो सकता है। रंगोली निर्माण में प्रदेश के नामचीन सिद्धार्थ त्रिपाठी की विशेष भूमिका है।

8 घंटे में तैयार की रंगोली–विभूमि मिश्रा ने इस रंगोली को तैयार करने में जीतोड़ मेहनत की। इसके निर्माण में करीब 8 घंटे का समय लगा। इस रंगोली को मतदाताओं को जागरुक करने के लिए सेल्फी प्वाइंट के रूप में भी उपयोग कर सकते हैं। यहां आने वाले युवा इस रंगोली को देखकर मतदान के लिए प्रेरित होंगे। यह रंगोली सभी का ध्यान अभी से आकर्षित करने लगी है। इंडिया और एशिया रिकार्ड के लिए विभूमि ने आवेदन कर दिया हे।

सम्पादकीय

नरसंहार के एक महीने

इजरायल और हमास के बीच छिड़ी जंग को पूरे एक महीने हो गए हैं। पिछले महीने यानी 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर हमला किया था और इसके बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बिना देर किए युद्ध का शंखनाद कर दिया था। उन्होंने अपनी प्रशासनिक और खुफिया असफलता के लिए इजरायल के लोगों से माफी मांगना जरूरी नहीं समझा, न ही उन्होंने इन सवालों की परवाह की कि इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद इस हमले की जानकारी क्यों नहीं जुटा पाई, किस तरह हमास इतना शक्तिशाली हो गया कि उसने इजरायल पर भीषण हमला बोल दिया। नेतन्याहू इन सवालों की पड़ताल करने के लिए पहले वक्त निकालते, तो शायद ऐसा नरसंहार नहीं होता, जो इस वक्त हो रहा है। तब शायद हमास के असली इरादे पता चलते और ये भी मालूम होता कि आखिर हमास ने इतनी ताकत और दुस्साहस किसके बूते जुटा लिया। लेकिन शायद नेतन्याहू को युद्ध के मैदान में उतरने की हड़बड़ी थी ताकि हमास के बहाने फिलिस्तीनियों को पूरी तरह खदेड़ कर अपना कब्जा स्थायी कर लिया जाए। जिस हमास को खत्म करने की कसम खाकर नेतन्याहू ने युद्ध शुरु किया, वो अब भी बरकरार है। शायद हमास का अमृतकुंड किसी इजरायली बंकर में ही छिपा हो और इसलिए वो खत्म नहीं हो पा रहा है। लेकिन उसके नाम पर अब तक 10 हजार से अधिक फिलिस्तीन मारे जा चुके हैं। इनमें 6 हजार से अधिक बच्चे हैं। इन बच्चों में भी बहुत से ऐसे हैं, जिन्होंने अपने जीवन का एक साल भी पूरा नहीं किया, कुछ बच्चों को तो मां के पेट में ही इजरायल ने खत्म कर दिया, मानो उन अजन्मी संतानों में हमास का आतंकी रूप इजरायल को नजर आता है। खून, धूल, बारूद की गंध से लिपटे, रोते-बिलखते, डर से कांपते बच्चों की तस्वीरें और वीडियो देखकर किसी भी सामान्य इंसान की रूह कांप जाए। लेकिन युद्धोन्माद में कोई सामान्य कहां रह पाता है। इजरायली सैनिक अपने आका का हुक्म बजा रहे हैं और इजरायल अपने आका अमेरिका की फरमाबरदारी कर रहा है। बिना इस बात की परवाह किए कि उसके हाथों में इतना खून लग चुका है, जिसके दाग सदियों तक बरकरार रहेंगे। आज इजरायल ने इतने फिलिस्तीनी नागरिकों को मारा, जिनमें इतने बच्चे, इतनी महिलाएं, इतने पत्रकार, इतने सैनिक, इतने डॉक्टर हैं, इजरायल ने आज अस्पताल को तबाह किया, आज राहत शिविर पर बम बरसाए, आज गजा पट्टी तक पहुंचने वाली बिजली, पानी की आपूर्ति रोक दी, आज संचार के साधनों को खत्म कर दिया, ऐसी ही खबरें रोजाना महीने भर से लगातार आ रही हैं। और इन खबरों को देखकर भी अगर हम सामान्य बने हुए हैं, तो फिर ये तय है कि हम मनुष्य कहलाने का हक खो चुके हैं। बताया जा रहा है कि फिलिस्तीनियों को औसतन दिन में ब्रेड की दो स्लाइस और थोड़े से पानी में गुजारा करना पड़ रहा है। बहुतों को ये भी नसीब नहीं हो रहा है। निश्चित ही अमेरिका, इजरायल और इन देशों का साथ देने वाले तमाम सत्ताधीश आला दर्जे की संवेदनहीनता और क्रूरता दिखा रहे हैं। जिन लोगों को मासूमों की मौत, भूख-प्यास, बीमारी देखकर कोई फर्क नहीं पड़ रहा, जो खून की नदियों से धरती को मैला करने में लगे हुए हैं, क्या उन लोगों से न्याय और लोकतंत्र की रक्षा की उम्मीद की जा सकती है। किस तरह से ये तमाम शासनाध्यक्ष दुनिया से आतंकवाद मिटाकर शांति स्थापना का दावा कर सकते हैं, जबकि खुद इनके कृत्य किसी आतंकवाद से कम नहीं हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ को भी अमेरिका, इजरायल और उनका साथ देने वाले तमाम देशों ने बेमानी बना दिया है। संरा महासचिव एंटोनियो गुटेरेस बार-बार शांति की अपील कर रहे हैं। मानवीय आधार पर युद्धविराम की बातें कर रहे हैं। अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा, आस्ट्रेलिया, जर्मनी तमाम देशों में लगातार आम जनता फिलिस्तीनियों के लिए आवाज उठा रही है। खुद इजरायल की जनता नेतन्याहू की युद्धनीति का विरोध करते हुए सड़कों पर उतर आई है। लेकिन फिर भी इजरायल युद्धविराम के लिए तैयार नहीं है और उधर जो बाइडेन कह रहे हैं कि पूरे युद्धविराम की जगह मानवीय जरूरत के लिए छोटे विराम लिए जाएं। इस तरह के बयानों से अमेरिका की असली नीयत समझ आ जाती है। मानवीय जरूरत तो यही है कि किसी भी हाल में युद्ध तुरंत बंद हो और नरसंहार पर रोक लगे। छोटे विराम जैसा कोई विकल्प होना ही नहीं चाहिए। मगर युद्ध रुका तो नेतन्याहू के फिलिस्तीन पर कब्जे के मंसूबे धरे रह जाएंगे। इसलिए अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए इजरायल युद्ध किए जा रहा है और अमेरिका अपनी मदद जारी रखे हुए है। दुनिया भर के कई राजनेता अपनी सरकारों से अलग राय रखते हुए इजरायल को आतंकी राष्ट्र घोषित करने की मांग उठा चुके हैं। नेतन्याहू पर युद्ध अपराधों का मुकदमा चलाने की मांगे हो रही हैं। यह देखना दुखद है कि इंसानियत के इस मुश्किल वक्त में भारत का नेतृत्व करने वाली मोदी सरकार ढुलमुल रवैया अपनाए हुए है। सोमवार को ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत की और इसमें दोनों देशों के संबंधों पर चर्चा के साथ ही फिलिस्तीन के हालात पर भी चर्चा हुई। जिसमें राष्ट्रपति रईसी ने श्री मोदी को श्पश्चिमी उपनिवेशवाद के खिलाफ भारत के संघर्ष्य और श्गुट-निरपेक्ष आंदोलन का संस्थापक देश होने्य की याद दिलाई। रईसी ने कहा, श्आज भारत से उम्मीद है कि वह गजा के बाशिंदों के खिलाफ जायनवादियों के अपराधों को रोकने के लिए अपनी पूरी क्षमताओं का इस्तेमाल करे। ईरान ने मोदी सरकार को भारत के इतिहास और विदेश नीति का वो अध्याय याद दिलाया, जिसके बूते दुनिया में भारत के नाम की साख बनी हुई थी।

लोकतन्त्र और लोक कल्याण

आदित्य नारायण

लोकतन्त्र और लोक कल्याण दोनों एक-दूसरे के सम्पूरक होते हैं। ऐसी स्थापना हमारे संविधान निर्माताओं ने की और इसके परिपालन के लिए राजनैतिक दलों को अधिकृत किया। चुनाव लोकतान्त्रिक प्रणाली के आधार होते हैं अत: राजनैतिक दलों ने चुनावों के अवसर पर लोक कल्याणकारी नीतियां जनता के सामने रखने का प्रचलन शुरू किया जिसे घोषणापत्र कहा गया। हर चुनाव की अलग परिस्थितियां होती हैं अत: घोषणापत्र भी हर बार नये प्रस्तुत किये जाते हैं। भारत जब आजाद हुआ था तो इसकी 90 प्रतिशत से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर करती थी। इसमें भी शहरी आबादी 20 प्रतिशत के आसपास थी। मगर आज 75 साल बाद तस्वीर बदल चुकी है। भारत के शहरीकरण में तेजी से वृद्रि हुई है और कृषि क्षेत्र पर लोगों की निर्भरता में भी कमी आयी है। इसका मतलब यह है कि हमने तरक्की की है। अब 2023 चल रहा है और भारत की आबादी बढ़ कर 140 करोड़ हो चुकी है जबकि आजादी के समय 1947 में यह 33 करोड़ के करीब थी। बढ़ती आबादी की बढ़ती मूलभूत आवश्यकताओं की आपूर्ति करना किसी भी लोकतन्त्र में चुनी गई सरकारों का मूल दायित्व होता है। ये चुनी हुई सरकारें जनता की मालिक नहीं होती बल्कि उसकी नौकर होती हैं क्योंकि जनता इन्हें केवल पांच साल के लिए ही देश की व्यवस्था चलाने की जिम्मेदारी सौंपती है। इस दौरान चुनी हुई सरकारें अपनी लोक कल्याणकारी नीतियों को चला कर जनता के प्रति मिले दायित्व को पूरा करने का प्रयास करती है। अत: आज भारत के जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं उनमें पिछले चुनावों के बाद सत्ता पर काबिज सरकारों और उनकी राजनैतिक पार्टियों का दायित्व बनता है कि वे जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करने के बाद अगले पांच सालों के लिए उसकी इजाजत मांगें। यह जनता पर निर्भर करता है कि वह सरकार के काम से सन्तुष्ट होती है या नहीं क्योंकि उसके सामने विकल्पों की कमी नहीं होती। लोकतन्त्र की बहुराजनैतिक प्रणाली में कभी भी विकल्पों की कमी नहीं रहती है, यह भी इस व्यवस्था की खूबसूरती होती है। इसके चलते ही हमने केन्द्र से लेकर विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनैतिक दलों की सरकारें देखी हैं। प्रत्येक राजनैतिक दल के अपने कुछ मूलभूत सिद्धान्त होते हैं जिनके तहत वे सत्ता में आने पर लोक कल्याणकारी कदम उठाने का दावा करते हैं। इसे हम इस तरह देख सकते हैं कि 2004 से 2014 तक केन्द्र में चली डा. मनमोहन सिंह की कांग्रेसनीत सरकार ने 2013 में कानून बनाया कि भारत में प्रत्येक व्यक्ति को दोनों वक्त भोजन करने का अधिकार दिया जायेगा। इसके लिए भोजन का अधिकार कानून बना परन्तु 2014 में केन्द्र में सरकार बदल गई। भोजन का अधिकार बेशक कानून बन गया मगर इसका उपयोग 2020 में देश में कोरोना संक्रमण काल के समय मोदी सरकार ने किया जब लगभग 80 करोड़ लोगों को प्रतिमाह पांच किलो मुफ्त राशन देने की व्यवस्था की गई। अब इस योजना को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने पांच साल और आगे जारी रखने का फैसला किया है। इसका मतलब यह हुआ कि लोक कल्याणकारी नीतियां बनाना हर सरकार का प्राथमिक दायित्व होता है। सरकार चूंकि एक सतत् प्रक्रिया होती है अत: हर सरकार के लिए लोक कल्याण के काम करना जरूरी शर्त होती है परन्तु इन नीतियों के चलते भी हर राजनैतिक दल की सरकार का विकास ढांचा अलग हो सकता है। विकास के लिए आर्थिक नीतियों की जरूरत होती है और हर सरकार की आर्थिक नीतियां अलग ही होती हैं। लोक कल्याण का रास्ता इन्हीं नीतियों के बीच से निकलता है। बाजार मूलक अर्थव्यवस्था में यह कार्य बहुत दुष्कर होता है क्योंकि यह व्यवस्था हर नागरिक को एक उपभोक्ता के रूप में देखती है। सवाल उठना लाजिमी है कि 80 करोड़ लोग पहले उपभोक्ता हैं या नागरिक। भारतीय संविधान के अनुसार ये उतने ही अधिकार सम्पन्न नागरिक हैं जितने कि अन्य सम्पन्न वर्गों के नागरिक क्योंकि इनके पास भी एक वोट का बराबर का संवैधानिक अधिकार है। मुफ्त भोजन पाना इनका कानूनी अधिकार है। इसी प्रकार अगर शिक्षा को लें तो पहली से आठवीं तक की शिक्षा पाना भी भारत में जन्मे हर बच्चे का मूल अधिकार है। लोकतन्त्र में नागरिकों को जो अधिकार एक बार दे दिया जाता है उसे वापस लेना कभी संभव नहीं होता क्योंकि वह नव विकसित समाज के ढांचे का अंग बन जाता है। इसी प्रकार स्वास्थ्य का भी मामला है। केन्द्र ने आयुष्मान स्कीम चलाई तो विभिन्न राज्य सरकारों ने भी अपनी-अपनी स्वास्थ्य बीमा स्कीमें नागरिकों के लिए शुरु की। लोकतन्त्र में इस प्रकार की लोक कल्याणकारी नीतियों के लिए प्रतियोगिता का होना स्वागत योग्य होता है क्योंकि इससे सर्वाधिक रूप से नागरिक ही लाभान्वित होते हैं। अत: लोकतन्त्र में जब लोक कल्याणकारी नीतियां विभिन्न राजनैतिक दलों के बीच प्रतियोगिता का माध्यम बन जाती हैं तो आम जनता का सशक्तीकरण भी तेज होने लगता है और इससे अन्तत: आर्थिक विषमता के कम होने के आसार ही बनते हैं परन्तु देश तभी मजबूत बनता है जब प्रत्येक नागरिक उत्पादनशीलता में भागीदारी करे। अत: लोकतन्त्र इस तरफभी बराबर का जोर डालते हुए जन कल्याणकारी नीतियां बनाता है।

leverage edu
लोकतंत्र क्या है?

> इस दौरान चुनी हुई सरकारें अपनी लोक कल्याणकारी नीतियों को चला कर जनता के प्रति मिले दायित्व को पूरा करने का प्रयास करती है। अत: आज भारत के जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं उनमें पिछले चुनावों के बाद सत्ता पर काबिज सरकारों और उनकी राजनैतिक पार्टियों का दायित्व बनता है कि वे जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करने के बाद अगले पांच सालों के लिए उसकी इजाजत मांगें। यह जनता पर निर्भर करता है कि वह सरकार के काम से सन्तुष्ट होती है या नहीं क्योंकि उसके सामने विकल्पों की कमी नहीं होती। लोकतन्त्र की बहुराजनैतिक प्रणाली में कभी भी विकल्पों की कमी नहीं रहती है, यह भी इस व्यवस्था की खूबसूरती होती है। इसके चलते ही हमने केन्द्र से लेकर विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनैतिक दलों की सरकारें देखी हैं। प्रत्येक राजनैतिक दल के अपने कुछ मूलभूत सिद्धान्त होते हैं जिनके तहत वे सत्ता में आने पर लोक कल्याणकारी कदम उठाने का दावा करते हैं। इसे हम इस तरह देख सकते हैं कि 2004 से 2014 तक केन्द्र में चली डा. मनमोहन सिंह की कांग्रेसनीत सरकार ने 2013 में कानून बनाया कि भारत में प्रत्येक व्यक्ति को दोनों वक्त भोजन करने का अधिकार दिया जायेगा।

अनावश्यक टकराव

हाल के वर्षों में देश के कई राज्यों में राज्य सरकारों व राज्यपालों के बीच गहरे टकराव के मामले प्रकाश में आए हैं। विडंबना यह है कि ये मामले उन राज्यों में सामने आए जहां गैर-राजग सरकारें कार्यरत हैं। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक व तमिलनाडु के बाद हालिया विवाद पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार व पंजाब के राज्यपाल के बीच है। यह विवाद इतना बढ़ा कि मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि राज्यपालों को आत्मावलोकन करना चाहिए। जाहिर है विसंगतियों के हालात के बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने इस गरिमामय संवैधानिक पद के अनुरूप गरिमामय टिप्पणी ही की है। कोर्ट का कहना है कि ऐसे मामले अदालत में पहुंचें उससे पहले राज्यपाल को मामले में कार्रवाई करनी चाहिए। पंजाब में लंबे समय से भगवंत मान सरकार व राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित के बीच कई मुद्दों को लेकर टकराव चला आ रहा था। दरअसल, राज्यपाल ने तीन धन विधेयकों को मंजूरी देने से मना कर दिया था। हालांकि, बाद में एक नवंबर को दो विधेयकों को मंजूरी दे दी थी। इससे पहले भी राज्यपाल ने पिछले महीने बुलाए गये पंजाब विधानसभा के सत्र को अवैध तक बता दिया था। इस मामले में शीर्ष अदालत में मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि राज्यपालों को मामला कोर्ट आने से पहले ही कार्रवाई करनी चाहिए। यह परिपाटी खत्म होनी चाहिए कि मामला सुप्रीम कोर्ट आने पर राज्यपाल कार्रवाई करेंगे। यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने राज्यपालों को आत्मावलोकन की जरूरत बताते हुए नसीहत दी कि उन्हें पता होना चाहिए कि वे जनता के निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं हैं। जाहिर है कि कोर्ट का सीधा अभिप्रायरू है कि माननीय कहे जाने वाले राज्यपाल पद की मर्यादा के अनुरूप ही व्यवहार करें।

विडंबना ही है कि हाल के वर्षों में विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपाल केंद्र में सत्तारूढ़ दल के प्रतिनिधि के तौर पर काम करते देखे गए हैं। निस्संदेह, यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिये विडंबना ही कही जाएगी कि राज्यपाल किसी राज्य सरकार के कार्यों में बाधा डालें व कैबिनेट के फैसलों को अनुमति देने में आनाकानी करें। राज्यपाल का काम किसी भी राज्य को किसी भी तरह के संवैधानिक संकट से ही बचाना होता है। वे राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप कार्य करने के लिये नियुक्त किये जाते हैं ताकि राज्य के विकास के कार्य सुचारू रूप से चलाए जा सकें। मगर यदि वे सरकार बनाने व गिराने के खेल में शामिल होंगे तो निश्चित रूप से राज्यपाल के पद को आंच आएगी। महाराष्ट्र में राजनीतिक विद्रूपताओं के चलते उत्पन्न अस्थिरता के दौर में राज्यपाल की भूमिका को लेकर तीखे सवाल उठे और मामला शीर्ष अदालत तक भी पहुंचा था। ऐसा ही टकराव पश्चिम बंगाल में ममता सरकार के शासन के दौरान भी नजर आया था। विडंबना यही है कि राज्यपाल के पद पर समाज के विद्वानों व प्रतिष्ठित व्यक्तियों को नियुक्त करने के बजाय रिटायर राजनेताओं को बैठाने का खेल दशकों से जारी है। इस खेल में भाजपा से लेकर कांग्रेस तक कभी पीछे नहीं रहे।

जिसके चलते वे पद पर बैठते ही अपने पर 'कृपा करने वाले दल' की निष्ठाओं को निभाने के लिये संवैधानिक सीमाओं का अतिक्रमण करने लगते हैं। फिर चुनी हुई सरकार से टकराव की खबरें सूचना माध्यमों में तैरने लगती हैं। निश्चित रूप से इस तरह की घटनाएं किसी भी लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत नहीं कही जा सकतीं। वहीं दूसरी ओर पंजाब के राज्यपाल की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलील थी कि राज्यपाल ने उनके पास भेजे गए विधेयकों पर कार्रवाई की थी। साथ ही यह भी कि पंजाब सरकार द्वारा दायर याचिका एक अनावश्यक मुकदमा है। बहरहाल, राज्यों व केंद्र सरकारों के मध्य एक पुल का काम करने वाले राज्यपाल को राज्य के विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही जनता द्वारा चुनी गई सरकार द्वारा उठाये गये कदमों को संबल देना चाहिए। भारतीय लोकतंत्र राज्यपालों से नीर-क्षीर विवेक के साथ दायित्व निभाने की अपेक्षा करता है।

मनुष्य की विनम्रता और साहस सबसे बड़ा मनोबल

संजीव ठाकुर

कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए।अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे स निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती हैस

जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैंस संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं इनसे जूझ कर जो आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है। मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुस्कुराता, हंसता और खिलखिलाता है। जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती, और यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में अन्य प्रतियोगिताओं में, खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुन: साहस के साथ पुन:तैयार होता है तो वह आने वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है, क्योंकि उसने पूरी क्षमता, साहस ,मनोबल के साथ पराजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है।

अपनी कमियों को दूर करने की हर संभव कोशिश भी की है इस तरह वह अगली परीक्षा में जरूर सफल होता है और यही मानव जीवन का सफल अध्याय भी होता है। कुल मिलाकर परिस्थितियां तथा घटनाएं ,दुर्घटनाएं मनुष्य को परिस्थितियों के सामने पराजित करने, झुकाने की कोशिश करती हैं किंतु मानव अपने शारीरिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक एवं मानसिक आत्मबल से उसे सफलता में बदल देता है। अनवरत प्रयासरत व्यक्ति अपने साहस परिश्रम से हर चुनौतियों का सामना कर परिस्थितियों में विजय प्राप्त कर अपने जीवन को सफलता के शिखर पर पहुंचाता है। जीवन में कठिन परिस्थितियों से जूझ कर जो मानव सदैव सफल होता है वह पूरे समुदाय और समाज के लिए एक प्रेरणादाई व्यक्तित्व बन कर पूरे समाज एवं देश को मार्गदर्शन भी प्रदान करता है।

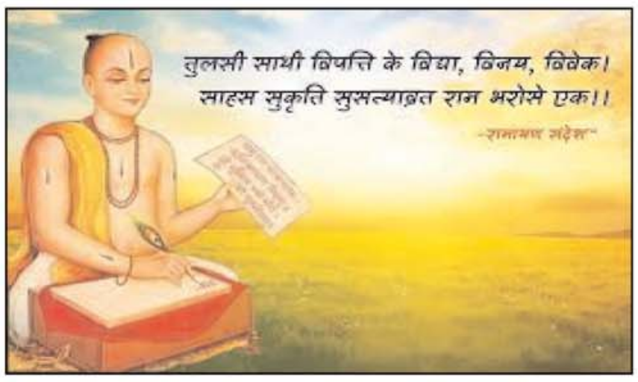
तुलसी साथी बिपत्ति के बिद्या, बिनय, बिबेक।
साहस सुकृति सुसत्याब्रत राम भरोसे एक।।

> जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैंस संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं इनसे जूझ कर जो आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है। मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है।

प्रदूषण के चलते स्कूलों को लेकर दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, जारी किए नए निर्देश

एजेंसी

नयी दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है, जिसके चलते अरविंद केजरीवाल की सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, बढ़ते प्रदूषण के चलते दिल्ली में सभी स्कूलों की छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। दिल्ली सरकार ने घोषणा करते हुए कहा गया है कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ा हुआ है, इसलिए इस बार शीतकालीन अवकाश पहले लिया जा रहा है।

अब 12वीं तक के सभी स्कूल 18 नवंबर तक बंद रहेंगे। 19 नवंबर 2023 को रविवार है ऐसे में स्कूलों की छुट्टियां 19 नवंबर तक रहेंगी। इसके लिए आदेश जारी कर दिए गए हैं। दिल्ली सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, दिल्ली में ।फम् 900 को पार कर चुका है ये गंभीर श्रेणी में है। इसके मद्देनदर दिल्ली के सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया था। देश की राजधानी दिल्ली में गंभीर वायु प्रदूषण के बीच दिल्ली सरकार ने 9 से 18 नवंबर तक स्कूलों में जल्दी शीतकालीन अवकाश की घोषणा की है। बता दें कि इससे पहले दिल्ली के स्कूलों में शीतकालीन अवकाश की घोषणा आमतौर पर दिसंबर और जनवरी महीने में होती है। इस बार प्रदूषण का स्तर काफी ज्यादा है। ऐसे में दिल्ली सरकार ने स्कूलों में शीतकालीन अवकाश की घोषणा जल्द कर दी है। नए नोटिस के अनुसार, दिल्ली के सभी स्कूल फ्लिहाल 18 नवंबर 2023 तक बंद रखेंगे। दिल्ली सरकार ने कनॉट प्लेस में लगे उसे स्मॉग टावर का निरीक्षण करने के लिए बुधवार को एक टीम भेजी, जिसे दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के अध्यक्ष अश्वनी कुमार के एकतरफा निर्देशों के बाद बंद कर दिया गया था। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को स्मॉग टावर को चालू करने का निर्देश दिया था। दिल्ली और इसके आस-पास के इलाकों में बुधवार को सुबह वायु गुणवत्ता फ्रि से गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने से फैल रहा धुआं राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण में एक-तिहाई योगदान दे रहा है। दिल्ली में मंगलवार को शाम चार बजे तक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 395 से और ज्यादा खराब स्थिति में पहुंच गया तथा 421 दर्ज किया गया था। एक अधिकारी ने बताया, दिल्ली सरकार के अधिकारियों की एक टीम को स्मॉग टावर के निरीक्षण के लिए भेजा गया है, जो सुनिश्चित करेगी कि टावर फ्रि से, तत्काल काम करे। इससे पहले दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दावा किया था कि दिसंबर में डीपीसीसी के अध्यक्ष का प्रभार संभालने वाले कुमार ने स्मॉग टावर परियोजना पर काम कर रही आईआईटी-बॉम्बे और दूसरी एजेंसियों को दी जाने वाली धन राशि पर सरकार को सूचित किए बिना रोक लगा दी थी।

भारत -अमरीका टू प्लस टू वार्ता शुक्रवार को

Ministry of External Affairs
Government of India

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत और अमरीका के बीच पांचवीं मंत्री स्तरीय टू प्लस टू वार्ता शुक्रवार को यहां होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर वार्ता में भारत का जबकि अमरीकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड आस्टिन अमरीका का प्रतिनिधित्व करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार वार्ता के दौरान दोनों देश रक्षा, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच परस्पर संपर्क बढाने के लिए जारी सहयोग की समीक्षा करेंगे। दोनों देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच गत जून और सितम्बर में हुए विचार विमर्श के आधार पर भारत- अमरीका साझीदारी के भविष्य के रोडमैप पर बातचीत करेंगे। इसके अलावा समसामयिक क्षेत्रीय मुद्दों तथा क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग बढाने के बारे में भी चर्चा की जायेगी। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इस मौके पर दोनों देशों के मंत्रियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी होगी। दोनों पक्ष हिन्द प्रशांत क्षेत्र सहित रक्षा उपकरणों के विकास से संबंधित संयुक्त उपक्रमों पर भी बातचीत करेंगे। इसके अलावा लड़ाकू विमानों के लिए इंजन, एम क्यू प्रीडेटर ड्रोन और सेमीकंडक्टर विनिर्माण के बारे में चल रही बातचीत को भी आगे बढाया जायेगा। दोनों देशों के बीच मंत्री स्तरीय टू प्लस टू संवाद वर्ष 2018 से हो रहा है।

गाजा बच्चों की बनता जा रहा कब्रगाह

हमास-इजराइल जंग के बीच यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेताया

एजेंसी

संयुक्त। राष्ट्र इजराइल-हमास जंग के बीच जारी जंग को एक महीना हो गया है। सात अक्टूबर से जारी युद्ध अभी भी खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इस जंग में अभी तक दोनों पक्षों की ओर से 11 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई है। इजराइल के हमलों के बाद गाजा पट्टी की हालत बहुत खराब हो गई है। संयुक्त राष्ट्र सचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गाजा पट्टी की हालत पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि गाजा बच्चों की कब्रगाह बनता जा रहा है। गुतारेस ने न्यूयॉर्क में पत्रकारों से कहा कि गाजा बच्चों की कब्रगाह बनता जा रहा है। गाजा के हालात मानवीय संकट से कहीं ऊपर हैं। यह मानवता का संकट है। उन्होंने कहा कि हर गुजरते घंटे के साथ संघर्ष विराम की आवश्यकता अधिक जरूरी होती जा रही है। उन्होंने कहा कि संघर्ष के पक्ष और वास्तव में, अंतरराष्ट्रीय समुदाय एक तत्काल और मौलिक जिम्मेदारी का सामना कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदायों पर इस अमानवीय पीड़ा को रोकने और गाजा में मानवीय सहायता का विस्तार करने की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, जंग में दोनों पक्षों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मौलिक जिम्मेदारियां निभानी पड़ती हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख ने कहा कि जंग की शुरूआत से फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए काम करने वाले संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के 89 कर्मचारी मारे गए हैं ।ष् एंटोनियो गुटेरेस ने एक्स पर पोस्ट किया, ष्हाल के हफ्तों में हमारे संगठन के इतिहास में किसी भी अवधि की तुलना से अधिक संयुक्त राष्ट्र सहायता कर्मी मारे गए हैं।

प्रियंका ने अहिरावण से की बीजेपी की तुलना

देवास में बोलीं, दीपक जोशी से पूछा भाजपा क्यों छोड़ी? वे बोले- किसी ने मेरी सुनी नहीं

एजेंसी

इंदौर। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी बुधवार को मध्यप्रदेश के दौरे पर हैं। वे सांवेर (इंदौर) में चुनावी सभा को संबोधित कर देवास पहुंचीं। खातेगांव (देवास) की चुनावी सभा में उन्होंने कहा, दीपक जोशी से मैंने पूछा कि भाजपा क्यों छोड़ी?

वे बोले दीदी, मेरे इलाके में बहुत भ्रष्टाचार हो रहा था। किसी ने मेरी सुनी नहीं। ऊब गया था। दीपक जोशी मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के बेटे हैं। इसी साल 6 मई को उन्होंने कांग्रेस जॉइन की थी। इससे पहले सांवेर में प्रियंका ने बीजेपी की तुलना अहिरावण से की। कहा, अहिरावण ने जिस तरह भगवान राम और लक्ष्मण जी से छल किया, उसी तरह आपके साथ भी कुछ बहरूपियों ने छल किया। आपकी चुनी हुई सरकार चोरी की और उसे भ्रष्टाचार लोक में ले गए। अगर आज आप हनुमान नहीं बनेंगे, तो यहां से जो छल शुरू हुआ, उसे कौन ठीक करेगा?

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव ने मध्यप्रदेश सरकार में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट को भी घेरा। बोलीं, जब कोरोना का कहर था, आपके यहां से स्वास्थ्य मंत्री सिलावट बेंगलुरु के रिसॉर्ट में आपकी सरकार की सौदेबाजी कर रहे थे। वे सरकार में मिलावट कर रहे थे। एक ऐसा नेता जिसने पैसों के लिए जनमत को बिगाड़ दिया, अच्छा हुआ दूसरी पार्टी में चले गए। बता दें, सिलावट 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे।

मध्य प्रदेश को बनाया विकसित राज्य

जनता फिर देगी भाजपा का साथ: शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

भोपाल। बीजेपी नेता शिवराज सिंह चौहान करीब दो दशक से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। उनका कहना है कि इस अवधि में हमने प्रदेश में बड़े स्तर पर विकास कार्य किए। एमपी को पहले बीमारू प्रदेश कहा जाता था, लेकिन अब यह राज्य विकसित राज्यों के साथ खड़ा है।

शिवराज ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार और झूठे प्रचार का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसा कोई सगा नही, जिसे कांग्रेस ने ठगा नहीं। शिवराज सिंह चौहान ने नवोदय टाइम्सध्पंजाब केसरी (जालंधर समूह) के अनु श्रीवास्तव से विशेष बातचीत की। प्रस्तुत हैं प्रमुख अंशय कौन कितने समय तक मुख्यमंत्री रहा, यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना कि यह महत्वपूर्ण है कि किसने कैसा काम किया। मुझे पूरा संतोष है कि मध्य प्रदेश जो कभी विकास और जनकल्याण की दृष्टि से पिछड़ा और बीमारू राज्य कहलाता था, आज देश के विकसित राज्यों की प्रांत में शामिल है। हमने न केवल विकास के नित नए मापदंड स्थापित किए हैं, बल्कि विकास की भी कई ऐसी योजनाएं हमने बनाई हैं, जिनका अनुसरण बाद में कई राज्यों ने किया। मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था बदली है, यह मुख्य बात है। पहले मध्य प्रदेश में नाममात्र को सिंचाई व्यवस्था थी मात्र साढ़े सात लाख हैक्टेयर सिंचित क्षेत्र था। आज 47 लाख टैक्टेयर सिंचित क्षेत्र है। अभी जो काम चल रहा है उसमे 65 लाख हैक्टेयर में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इसे हम 25 लाख हेक्टेयर तक पहुंचा देंगे। सिंचाई क्षमता बढ़ने से प्रदेश में अन्न का उत्पादन तेजी से बड़ा पहले 100 लाख मीट्रिक टन के आसपास उत्पादन होता था, अब 700 लाख मीट्रिक टन के आसपास यह पहुंच गया है। हम इसे एक हजार मीटिक टन तक पहुंचाना चाहते हैं। बड़ी उपलब्धि यह भी है कि जहां राज्य में अच्छी सड़कें नहीं थीं।

जापान में बोले अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन वैश्विक और इजराइल-हमास संकट पर जी7 राष्ट्रों में एकजुटता जरूरी

एजेंसी

टोक्यो। जापान की राजधानी टोक्यो में बुधवार को जी7 देशों के औद्योगिक प्रतिनिधियों ने बैठक के दौरान इजराइल-हमास युद्ध पर एकजुट रुख अपनाने के लिए प्रयास किया वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन और अन्य वरिष्ठ राजनयिक पश्चिम एशिया में लगातार गहराते जा रहे मानवीय संकट को रोकने तथा युद्ध खत्म करने के तरीके तलाशने में जुटे हैं।

जी7 विदेश मंत्रियों की दूसरे व अंतिम दिन की वार्ता में विभिन्न वैश्विक संकट पर बातचीत हुई। बैठक का मुख्य एजेंडा सात अक्टूबर को हमास के अभूतपूर्व एवं अप्रत्याशित हमले के बाद इजराइल की प्रतिक्रिया के कारण उत्पन्न मानवीय संकट और गाजा में महीने भर से जारी संघर्ष रहा। साथ ही बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध, उत्तर कोरिया परमाणु व मिसाइल कार्यक्रम और चीन की क्षेत्रीय विवाद को लेकर अपने पड़ोसियों के साथ बढ़ती आक्रमकता जैसे विषयों पर भी बातचीत हुई। पश्चिम एशिया का तूफानी दौरा करने बाद तोक्यो पहुंचे ब्लिंकन ने कहा कि इजराइल में युद्ध पर एक स्पष्ट रुख बहुत ही जरूरी है ठीक वैसे ही, जैसे यूक्रेन और अन्य बड़े मुद्दों पर राजनयिकों ने किया। मंत्री भी गाजा को लेकर मतभेदों को गहराने से रोकने का प्रयास कर रहे हैं।

एमपी चुनावी रैली में खड़गे पर बरसे पीएम मोदी, कहा, रिमोट से चलते हैं कांग्रेस अध्यक्ष

एजेंसी

दमोह। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपना प्रचार अभियान को तेज करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, एमपी के मन में मोदी है, मोदी के मन में एमपी है। दमोह में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने अपने आपको जनता का सेवक बताया। उन्होंने आगे कहा मैं चाहता हूं कि आपका जीवन बेहतर हो, आपके जीवन से मुश्किलें कम हों...यही मेरी पहली प्राथमिकता है।

मोदी इसीलिए इतना सशक्त हैं क्योंकि उसके साथ एमपी का और पूरे देश का आशीर्वाद और प्यार है। मोदी ने आगे कहा कि ये मोदी (यानी मेरी) की गारंटी है कि जब तीसरी बार मेरा सेवाकाल शुरु होगा, मैं इस देश की अर्थव्यवस्था को दुनिया के टॉप तीन में लाकर रहूंगा।' उन्होंने कहा, हमारी गारंटी खजाना लुटाने या वोट बटोरने की नहीं होती है, बल्कि देश को आगे बढ़ाने और हमारे लोगों का सामर्थ्य बढ़ाने की होती है। इसी बीच पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए बोला कि पार्टी के अध्यक्ष (मल्लिकार्जुन खड़गे) रिमोट से चलते हैं। मोदी ने कहा, लोगों को कांग्रेस पार्टी के प्रति जागरूक रहने की जरूरत है। यह कांग्रेस पार्टी से सचेत रहने का समय है। यह वह पार्टी है जो गरीबों का पैसा छीनती है, घोटाले करती है और कुर्सी के लिए समाज को बांटती है। कांग्रेस के लिए राज्य और देश का विकास महत्वपूर्ण नहीं है।ष् उन्होंने कहा, कांग्रेस अध्यक्ष रिमोट से नियंत्रित होते हैं। वह ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। जब रिमोट काम करता है तो वह सनातन (धर्म) को गाली देते हैं। कल जब रिमोट काम नहीं कर रहा था तो उन्होंने पांडवों के बारे में बात की और कहा कि पांच पांडव हैं।

राहुल ने किसानों को 3200 रूपए क्विंटल से भी अधिक पर धान खरीद का दिया भरोसा

एजेंसी

अम्बिकापुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी एवं भाजपा पर वादा कर सत्ता में आने पर उसे भुला देने का आरोप लगाते हुए छत्तीसगढ़ के किसानो को भरोसा दिलाया हैं कि कांग्रेस फ्रि सत्ता में आने पर समर्थन मूल्य पर 3200 रूपए क्विंटल धान की खरीद शुरू कर इसे आगे बढ़ाती जायेंगी। राहुल गांधी ने आज यहां एक बड़ी चुनावी सभा में किसानों से कहा कि वह लिखकर रख लें कांग्रेस की सत्ता फ्रि बनते ही 3200 रूपए क्विंटल में धान की खरीद शुरू होगी और यह जितनी जरूरत होंगी धीरे धीरे बढ़ता जायेंगा।इसके लिए किसी को कुछ कहने की जरूरत नही होंगी।उन्होने कहा कि पिछली बार उन्होने 2500 रूपए क्विंटल में धान खरीद का वादा किया वह पूरा ही नही किया बल्कि उससे भी आगे जाकर बगैर किसी के कहे ज्यादा राशि पर धान की खरीद की।पिछली बार किसानों की कर्जमाफी का वादा किया था और पहली ही कैबिनेट बैठक में उसे माफकिया।इस बार भी कर्जमाफी का वादा उसी प्रकार पूरा होगा। उन्होने कांग्रेस के घोषणा पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य बीमा की राशि को पांच लाख से बढ़ाकर 10 लाख रूपए,भूमिहीन श्रमिकों को प्रति वर्ष सात हजार से बढ़ाकर न्याय योजना के तहत 10 हजार रूपए रूपए और गैस सिलेन्डर पर 500 रूपए की सब्सिडी दी जायेंगी.तेदूपत्ते का प्रति बोरी 6000 रूपए में खरीदी जायेंगी और चार हजार की बोनस राशि अलग दी जायेंगी।सभी विद्युत उपभोक्ताओं को 200 यूनिट बिजली फ्री दी जायेंगी।उन्होने कहा कि यह कांग्रेस की गारंटी है और यह मोदी के 15 लाख सभी के बैंक खाते में जाने,नोटबंदी से काला धन खत्म होने तथा किसान बिल से किसानों का भला होने जैसी जुमलेबाजी नही है। राहुल गांधी ने इसके साथ ही जाति जनगणना को लेकर मोदी सरकार को फ्रि घेरते हुए आज कहा कि सभी वर्गों की हर क्षेत्र में समुचित भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जातियों की आबादी जानना जरूरी हैं।उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 24 घंटे घंटे ओबीसी ओबीसी की बात करते रहते हैं लेकिन जाति जनगणना पर कुछ नही बोलते। भाजपा के लोग कहते है कि इसकी क्या जरूरत है। राहुल गांधी ने कहा कि ओबीसी की जितनी भागीदारी होनी चाहिए,नही हैं।प्रधानमंत्री मोदी सच्चाई जानते है,लेकिन उसे छिपाया जा रहा है।उन्होने सवाल किया कि कांग्रेस के समय में हुई जातीय जनगणना के आकड़े सरकार के पास जब उपलब्ध हैं तो उसे सार्वजनिक करने में क्या दिक्कत हैं। उन्होने कहा कि मोदी जी ओबीसी के लिए बल्कि अडानी के हितों के लिए काम करते है।ओबीसी युवाओं को मोदी से पूछना चाहिए कि उनकी आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी क्यों नही हो।उन्होने कहा कि दिल्ली में उनकी सरकार जैसे आयेगी,देश में जाति जनगणना का काम शुरू हो जायेंगा।उन्होने कहा कि जाति जनगणना के बाद पिछड़ो,दलितों और आदिवासियों के प्रगति एवं सर्वांगींण विकास का एक नया अध्याय शुरू होगा।

संक्षिप्त सामाचार

एनआईए ने म्यांमार के नागरिक को जम्मू से किया गिरफ्तार

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों ने बुधवार को यहां भटिंडी इलाके से एक म्यांमार नागरिक को गिरफ्तार किया। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि आतंकवादियों से संबंध के सिलसिले में पूरे जम्मू-कश्मीर में कई छापे मारे गए। छापे के हिस्से के रूप में म्यांमार के नागरिक को अवैध अप्रवासियों की झुग्गी बस्ती से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि उसे पासपोर्ट अधिनियम के उल्लंघन और मानव तस्करी से संबंधित मामले में गिरफ्तार किया गया था। सूत्रों ने कहा, छापेमारी जारी है और अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

जागृति जी20 स्टार्टअप 20 यात्रा पहुंची दिल्ली

नयी दिल्ली। जागृति जी20 स्टार्टअप 20 यात्रा राजधानी दिल्ली पहुंच गई है, जो इसकी परिवर्तनकारी यात्रा का एक महत्वपूर्ण बिंदु है। जागृति यात्रा और जागृति एंटरप्राइज़ सेंटर - पूर्वांचल के संस्थापक शशांक मणि ने आज यहां कहा कि इस यात्रा के क्रम में, दिल्ली में विभिन्न सत्र आयोजित किये जा रहे है। थिंक टैंक का मार्गदर्शन और विशेषज्ञता इस चरण के दौरान यात्रा के पथ को आकार देगी और संचालित करेगी। जागृति सेवा संस्थान, स्टार्टअप 20 और जी20 के सहयोग से आयोजित इस परिवर्तनकारी यात्रा ने उद्यमशीलता परिदृश्य को बदलने वाला है। जी 20 देशों के 70 प्रतिनिधियों सहित करीब 500 प्रतिभागियों के साथ, यात्रा वास्तव में उद्यमियों के वैश्विक संघ को बढ़ावा दे रही है। यह विचारों के आदान-प्रदान, अनुभव साझा करने और सार्थक संबंध बनाने के लिए एक मंच है।

250 से अधिक मशीन टूल्स निर्माता भाग लेंगे मैकमा एक्सपो में

चंडीगढ़। देश की मशीन टूल्स और ऑटोमेशन आधारित प्रमुख प्रदर्शनी यहां 23 से 26 नवम्बर तक आयोजित की जाएगी जिसमें देशभर से 250 से अधिक कम्पनियां और निर्माता अपने विश्वस्तरीय उत्पाद प्रदर्शित करेंगे। प्रदर्शनी के आयोजक फॉर्च्यून एग्जीबिटर्स प्रा. लिमिटेड के करमजीत सिंह ने यहां संवाददाताओं को बताया कि प्रदर्शनी का यह नौवां संस्करण है तथा चंडीगढ़ में इसे पहली बार आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले यह प्रदर्शनी लुधियाना और जालंधन में आयोजित की जाती रही है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी के आयोजन का उदेश्य नवीनतम विकसित प्रौद्योगिकी, उत्पाद और संबद्ध सुविधाएं प्रदर्शित करना है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी के दौरान अनेक संगोष्ठियां और बैठकों का भी आयोजन किया जाएगा जो सम्बंधित क्षेत्र की कम्पनियों, निर्माताओं और कारोबारियों के लिये नवीनतम जानकारियों एवं सूचनाओं का आदान प्रदान, जानकारी हासिल करना और अपने कारोबार के विस्तार का मंच होगा।

नोटबंदी की 7वीं सालगिरह, हम जश्न मनाएं या घोर विफलता का शोकः अधीर

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार को नोटबंदी की सातवीं सालगिरह पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए पूछा, हमें इस अवसर पर जश्न मनाना चाहिए या घोर विफलता का शोक? लोकसभा में कांग्रेस के नेता चौधरी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, आज नोटबंदी की सातवीं वर्षगांठ है ।

बाइडेन-शी की मुलाकात की तैयारियां जोरों पर, रिश्तों में कोई बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीन के शीर्ष नेता शी जिनपिंग के बीच अगले सप्ताह होने वाली अपेक्षित मुलाकात की तैयारियां सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं लेकिन व्हाइट हाउस को इस मुलाकात से दोनों देशों के बीच संबंधों में किसी प्रकार के बड़े बदलाव के आने की उम्मीद नहीं है। बैठक की योजना से जुड़े एक परिचित ने यह जानकारी दी।

बाइडेन और शी के बीच यह मुलाकात, सैन फ्रांसिस्को में अगले सप्ताह होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन से इतर होनी है। व्हाइट हाउस ने पिछले महीने के अंत में घोषणा की थी कि अमेरिका और चीन इस समझौते पर पहुंचे हैं कि बाइडेन और शी, शिखर सम्मेलन से इतर एक-दूसरे से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात ऐसे वक्त में हो रही है जब विश्व की दो सबसे बड़ी आर्थिक शक्तियों के बीच पूरा वर्ष तनावपूर्ण रहा है। हालांकि शिखर सम्मेलन के लिए बाइडेन एक सप्ताह में सैन फ्रांसिस्को पहुंचने वाले हैं इसलिए मुलाकात का सटीक समय और अन्य विवरण अभी तक औपचारिक रूप से घोषित नहीं किया गया है। सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने के लिए गैर-अधिकृत व्यक्ति ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि अमेरिका का मानना है कि दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद कुछ मामूली घोषणाएं की जा सकती हैं लेकिन संबंधों में किसी प्रकार का बड़ा बदलाव आने की उम्मीद नहीं है।

दीवाली पर परिवार के साथ घूम आएं ये प्लेस, हमेशा के लिए यादगार बन जाएगा टूर

दीवाली आने वाली है ऐसे में इस त्योहार पर कुछ लोग घूमने फिरने का प्लान भी बनाते हैं। रोशनी के इस त्योहार में आप कई सारी जगहों में घूमने जा सकते हैं। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे बेस्ट ऑप्शन दिखाते हैं जहां जाकर आप इस दीवाली अपने परिवार के साथ कुछ सुकून के पल बिता सकते हैं। आइए जानते हैं इन जगहों की बारे में....

अयोध्या

भगवान राम की जन्मभूमि से अच्छी जगह दीवाली पर देखने लायक कोई हो नहीं सकती। इस त्योहार पर अयोध्या को बहुत ही खूबसूरती के साथ सजाया जाता है। यह घूमने के लिए सस्ती जगह है। अयोध्या में आप राम मंदिर, हनुमानगढ़ी और आसपास मौजूद फेमस मंदिरों के दर्शन कर सकते हैं। इसके अलावा शाम को मंदिर में होने वाली आरती में शामिल होकर अद्भुत नजारों का फायदा भी ले सकते हैं।

बनारस

बनारस का काशी विश्वनाथ आप इस दीवाली अपने परिवार के साथ घूम सकते हैं। दीवाली पर शिवजी की इस प्रिय नगरी को बहुत ही खूबसूरती के साथ सजाया जाता है। काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन करने के साथ आप इस दौरान अश्वमेध घाट में होने वाली आरती में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा आप यहां के स्वादिष्ट खाने का मजा भी जहां पर इस दौरान ले सकते हैं।

जयपुर

दीवाली के दौरान जयपुर की गलियों, घरों, दुकानों की रोशनी इस शहर की रौनक को डबल कर देती है। दीवाली पर पिंक सीटी की पूरी इमारतें और बाजार जगमागते हुए नजर आते हैं। ऐसे में इस शानदार नजारे का फायदा उठाने के लिए आप जयपुर की सैर कर सकते हैं।

अमृतसर

दीवाली पर आप अमृतसर घूमने जा सकते हैं। इस शहर की खास बात यह है कि यहां पर दीवाली वाले दिन गोल्डन टैंपल को जगमग लाइटों के साथ रोशन किया जाता है। यह खूबसूरत नजारा हर किसी का दिल जीत लेता है। इसके अलावा आप अमृतसर के स्ट्रीट फूड का मजा भी दीवाली में आसानी से ले सकते हैं।

उदयपुर

राजस्थान के उदयपुर में आप परिवार के साथ दीवाली मना सकते हैं। यहां पर मौजूद पुराने किले और महल आपको अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। अगर आप दीवाली पर पूरा रॉयल फील लेना चाहते हैं तो दीवाली पर उदयपुर की सैर कर सकते हैं।

गाजर बनाती है शरीर को फौलाद सा मजबूत, मिलते हैं बेशुमर फायदे

शरीर को फिट रहने और बीमारियों से लड़ने के लिए कई तरह के पोषक तत्वों की जरूरत होती है। इसलिए डाइट पर ध्यान देने बहुत ही जरूरी है। ठंड के मौसम में खुद को वायरल फ्लू सर्दी, खांसी से बचाने के लिए खूब हरी सब्जियां, फल और जूस पीना चाहिए। वहीं इस मौसम में मिलने वाली गाजर भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है। गाजर में कई सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जैसे फाइबर, आयरन, प्रोटीन ए, सी, डी आदि जो हमारे शरीर को बेहद हेल्दी बनाती है। आइए आपको बताते हैं गाजर खाने के फायदे....

ब्लड प्रेशर

गाजर में विटामिन ई मौजूद होता है जो बीपी को रेग्यूलेट करता है। इसे डाइट में शुमार करने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।

हार्ट प्रॉब्लम में फायदेमंद

गाजर खाना दिल के लिए बहुत फायदेमंद है। इसके सेवन से कार्डियोवैस्कुलर समस्याओं का खतरा कम होता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने में मदद करते हैं। इससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

आंखों के लिए है वरदान

गाजर में विटामिन । और बीटा कैरोटीन पाया जाता है जो आंखों की रोशनी को तेज करने में मददगार है। आईसाइट को हेल्दी रखने के लिए आप गाजर का जूस पी सकते हैं।

इम्यूनिटी होती है मजबूत

गाजर को डाइट में शामिल करने से इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत बनता है। गाजर या फिर गाजर का जूस पीने से शरीर की इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है, जिससे शरीर को वायरल फ्लू से लड़ने में मदद मिलती है।

वजन

जिन लोगों को अपना वजन कंट्रोल में रखना है, उन्हें गाजर का जूस पीना चाहिए। गाजर के जूस में कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है जो वजन को कम करने में फायदेमंद है। वहीं इसे पीकर पेट भी काफी देर तक भरा हुआ सा महसूस होता है। इससे आप ज्यादा खाने से बच सकते हैं।

मानवता के कल्याण हेतु धन्वंतरि अवतरण

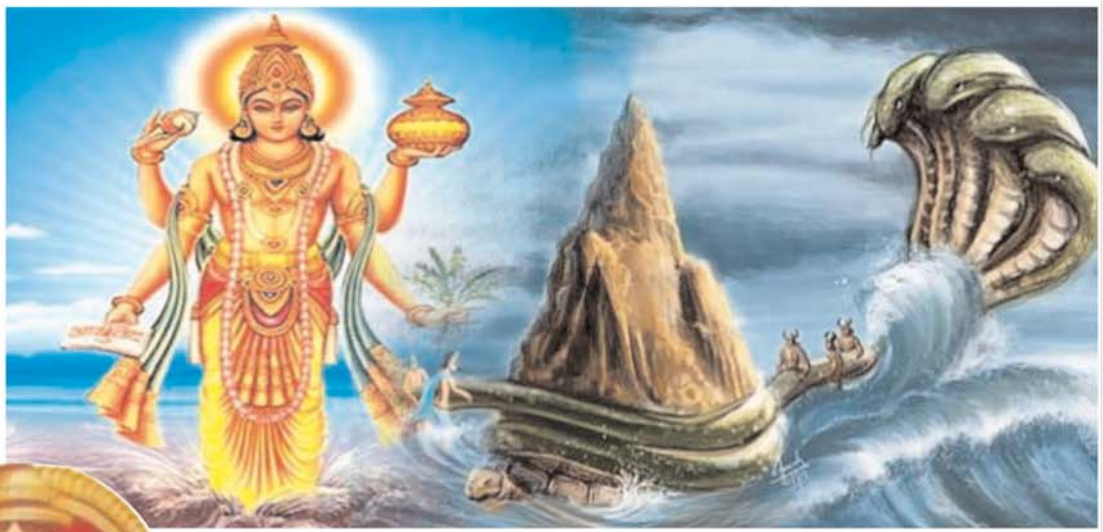

दिवाली से दो दिन पहले यानी कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाने वाला अत्यंत लोकप्रिय त्योहार 'धनतेरस' धन-धान्य ही नहीं, बल्कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जगत की भी समृद्ध विरासत का प्रतीक है। दरअसल, यही वह दिन है, जब समुद्र मंथन के दौरान ब्रह्मांड के प्रथम चिकित्सा-विज्ञानी भगवान धन्वंतरि प्रकट हुए थे। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इससे पूर्व आश्विन मास की पूर्णिमा यानी शरद पूर्णिमा को चंद्रमा, कार्तिक द्वादशी को कामधेनु गाय का प्राकट्य समुद्र से हुआ था, जबकि धनतेरस या धनत्रयोदशी के बाद कार्तिक चतुर्दशी को मां काली एवं अमावस्या अर्थात ? दिवाली को माता लक्ष्मी का अवतरण हुआ था। समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुए चतुर्भुजधारी भगवान धन्वंतरि के एक हाथ में आयुर्वेद शास्त्र, दूसरे में वनस्पति यानी औषधि, तीसरे में शंख और चौथे हाथ में अमृत-कलश था। उनके हाथ में अमृत-कलश देखते ही देवता और दानव उसे पान करने हेतु लालायित हो दौड़ पड़े थे।

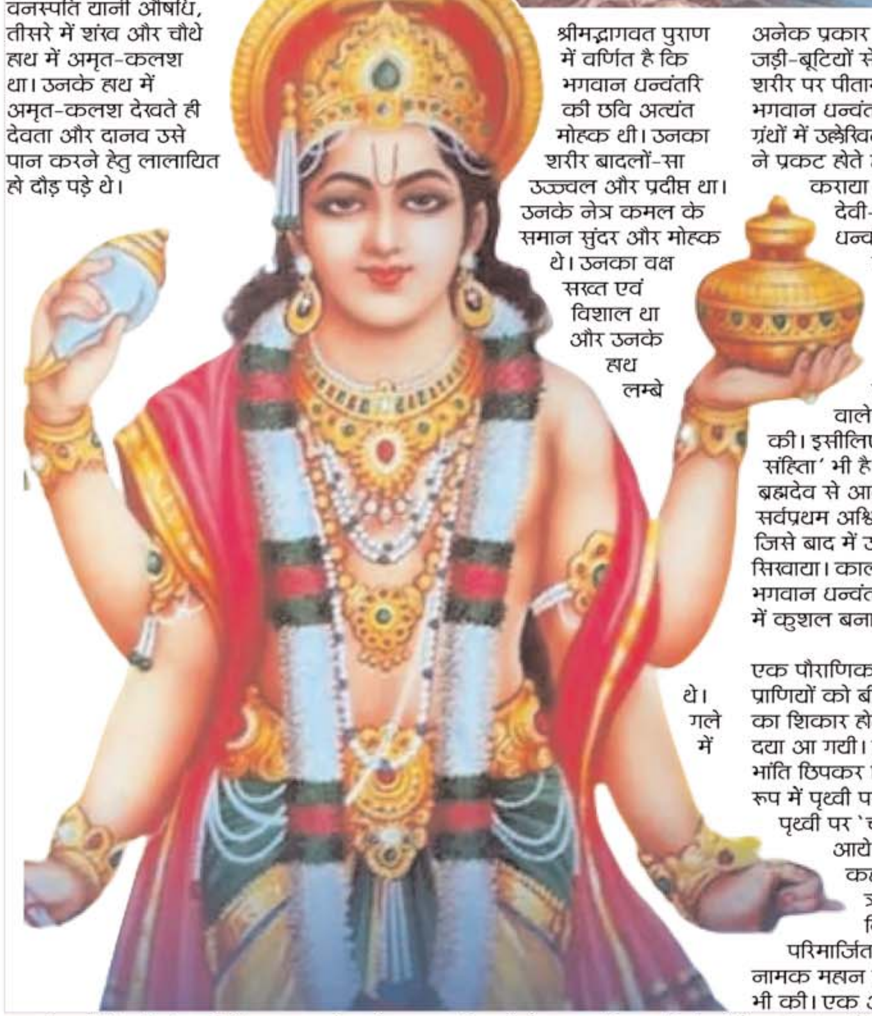

श्रीमद्भागवत पुराण में वर्णित है कि भगवान धन्वंतरि की छवि अत्यंत मोहक थी। उनका शरीर बादलों-सा उज्ज्वल और प्रदीप्त था। उनके नेत्र कमल के समान सुंदर और मोहक थे। उनका वक्ष सख्त एवं विशाल था और उनके हाथ लम्बे थे। गले में अनेक प्रकार के रत्नाभूषणों एवं विभिन्न जड़ी-बूटियों से गुंफित वनमाला तथा शरीर पर पीताम्बर धारण करने वाले भगवान धन्वंतरि चिर युवा प्रतीत होते थे। ग्रंथों में उल्लेखित है कि भगवान धन्वंतरि ने प्रकट होते ही आयुर्वेद का परिचय कराया था। यही कारण है कि देवी-देवताओं के वैद्य भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद महाविज्ञान का प्रवर्तक भी माना जाता है। हालांकि आयुर्वेद महाविज्ञान के संबंध में स्थापित सत्य यह है कि सर्वप्रथम ब्रह्मा जी ने एक लाख श्लोकों वाले आयुर्वेद शास्त्र की रचना की। इसीलिए इसका एक नाम 'ब्रह्म-संहिता' भी है। शास्त्रों के अनुसार ब्रह्मदेव से आयुर्वेद महाविद्या का ज्ञान सर्वप्रथम अश्विनी कुमारों ने सीखा था, जिसे बाद में उन्होंने देवराज इंद्र को सिखाया। कालांतर में देवराज इंद्र ने भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद महाविद्या में कुशल बनाया।

एक पौराणिक कथानुसार भूलोक में प्राणियों को बीमारियों से पीड़ित एवं मृत्यु का शिकार होते देख भगवान विष्णु को दया आ गयी। तत्पश्चात उन्होंने 'चर' की भांति छिपकर विशुद्ध नामक ऋषि के रूप में पृथ्वी पर अवतार लिया। चूंकि वे पृथ्वी पर 'चर' की भांति छिपकर आये थे, इसलिए वे 'चरक' कहलाये। उन्होंने बाद में ऋषि-मुनियों द्वारा रचित विविध संहिताओं को परिमार्जित कर 'चरक संहिता' नामक महान चिकित्सा शास्त्र की रचना भी की। एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार एक बार देवराज इंद्र ने भूलोक पर देखा कि बड़ी संख्या में लोग रोगग्रस्त हो रहे हैं। उसके बाद उनकी प्रेरणा से भगवान धन्वंतरि ने काशी के राजा दिवोदास के रूप में अवतार लिया। कालांतर में अपने पिता विश्वामित्र की आज्ञा से महर्षि सुश्रुत अपने साथ एक सौ ऋषि-पुत्रों को लेकर काशी पहुंचे और राजा दिवोदास, जिन्हें 'काशीराज' भी कहा जाता था, से आयुर्वेद की शिक्षा प्राप्त की। बाद में उन ऋषि-मुनियों ने लोक-कल्याणार्थ अपनी-अपनी संहिताओं एवं ग्रंथों की रचना की। महर्षि सुश्रुत द्वारा रचित संहिता का नाम 'सुश्रुत-संहिता' है, जो आयुर्वेद का एक प्रामाणिक ग्रंथ माना जाता है।

इसके अतिरिक्त उन ऋषि-मुनियों ने सभी पृथ्वी वासियों के रोगों के निवारणार्थ उपचार की अनेक पद्धतियां भी विकसित कीं। यही वह कालखंड था, जब महान वैद्य एवं चिकित्सा विज्ञानी वाग्भट्ट जी ने भी काशीराज के रूप में भगवान धन्वंतरि से आयुर्वेद का विस्तृत ज्ञान प्राप्त किया। बाद में उन्होंने 'आष्टांग हृदय' नामक ग्रंथ की रचना भी की, जो आयुर्वेद महाविज्ञान का एक मानक ग्रंथ है। बाद में काशी के राजा दिवोदास ने काशी में विश्व का पहला शल्य चिकित्सा विद्यालय स्थापित किया और आचार्य सुश्रुत को उसका प्रधानाचार्य नियुक्त किया। भगवान धन्वंतरि के माध्यम से ही प्रजापिता ब्रह्मा जी द्वारा प्रदत्त आयुर्वेद महाविज्ञान के अद्भुत, अलौकिक, सार्वकालिक एवं अत्यंत महत्त्वपूर्ण ज्ञान का पृथ्वी पर प्रचार-प्रसार हुआ।

गुणात्मक समृद्धि की अमृतवर्षा का पर्व है

दीपावली से जुड़े पांच पर्वों में दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुईं थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आती है और अच्छा भाग्य भी घर लाते हैं। सोना खरीदने से बुरी शक्तियां और नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर होती है। कई परिवार इस दिन सोना-चांदी खरीदकर अपनी सैकड़ों साल पुरानी परंपरा का पालन करते हुए इस दिन दिव्यता एवं धन की देवी लक्ष्मी देवी की पूजा करते हैं।

धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना यानी धन एवं सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। इस मान्यतानुसार इस उत्सव में भी सोने, चांदी, सिक्के आदि के रूप में आधिभौतिक लक्ष्मी का आधिदैविक लक्ष्मी से संबंध स्वीकार करके पूजन किया जाता है। घरों को दीपमाला आदि से अलंकृत करना इत्यादि कार्य लक्ष्मी के आध्यात्मिक स्वरूप की शोभा को आविर्भूत करने के लिए किए जाते हैं। जब हम धन का ध्यान करते हैं तो सार्वभौमिक आत्मा को अपनी प्रचुरता के लिए धन्यवाद देते हैं।

हम और ज्यादा के लिए भी प्रार्थना करतें हैं ताकि हम और ज्यादा समृद्ध हो सकें यह समृद्धि केवल सोना-चांदी-रूपयों की ही नहीं बल्कि ज्ञान, आनन्द आत्मविश्वास, शांति एवं प्रेम की भी होती है। सोना चांदी केवल एक बाहरी प्रतीक है। दौलत हमारे भीतर है। भीतर में बहुत सारा प्रेम, शांति और आनंद है। इससे ज्यादा दौलत आपको और क्या चाहिए? ज्ञान ही वास्तविक धन है। आपका चरित्र, आपकी शांति और आत्म विश्वास आपकी वास्तविक दौलत है। जब आप ईश्वर के साथ जुड़ कर आगे बढ़ते हो तो इससे बढ़कर कोई और दौलत नहीं है। यह शाही विचार तभी आता है जब आप ईश्वर और उसकी अनंतता के साथ जुड़ जाते हो। जब लहर यह याद रखती है कि वह समुद्र के साथ जुड़ी हुई है और समुद्र का हिस्सा है तो विशाल शक्ति मिलती है। धनतेरस 'आयुर्वेद' का दिन भी है, क्योंकि जड़ीबूटियां भी धन हैं। जड़ीबूटियां और पेड़-पौधे भी धन हैं। ऐसा कहते हैं कि धनतेरस के दिन ही मानवता को अमृत दिया गया था।

भारतीय संस्कृति में धर्म-अर्थ-काम और मोक्ष जीवन के उद्देश्य रहे हैं। यहां इन्हें प्राप्त करने के लिए हमेशा से प्रयास होते रहे हैं। धनतेरस पर धन के साथ-साथ धर्म को भी यहां महत्त्व दिया गया है और दोनों के बीच समन्वय स्थापित किए जाने की आवश्यकता भी व्यक्त होती रही है लेकिन जब-जब इनके समन्वय के प्रयास कमजोर हुए हैं तब-तब समाज में एक असंतुलन एवं अराजकता का माहौल बना है। शास्त्रों में कहा गया है कि धन की सार्थकता तभी है जब व्यक्ति का जीवन सद्गुणों से युक्त हो। लेकिन हाल के वर्षों में समृद्धि को लेकर हमारे समाज की मानसिकता और मानक बदले हैं। आज समृद्धि का अर्थ सिर्फ आर्थिक सम्पन्नता तक हो गया है। समाज में मानवीय मूल्यों और सद्विचारों को हाशिये पर डाल दिया गया है और येन-केन-प्रकारेण धन कमाना एवं धन की कामना करना ही सबसे बड़ा लक्ष्य बनता जा रहा है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या इस प्रवृत्ति के बीज हमारी परंपराओं में रहे हैं या यह बाजार के दबाव का नतीजा है? इस तरह की मानसिकता समाज को कहां ले जाएगी? ये कुछ महत्त्वपूर्ण प्रश्न हैं, जिनपर धनतेरस जैसे पवित्र पर्व पर मंथन जरूरी है।

लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिगदिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ।

हमारी समृद्धि गुणात्मक हो, लेकिन समृद्धि के नाम पर पनप रहा नया नजरिया न केवल घातक है बल्कि मानव अस्तित्व पर खतरे का एक गंभीर संकेत भी है। साम्राज्यवाद की पीठ पर सवार पूंजीवाद ने जहां एक ओर अमीरी को बढ़ाया है तो वहीं दूसरी ओर गरीबी भी बढ़ती गई है। यह अमीरी और गरीबी का फासला कम होने की बजाय बढ़ता ही जा रहा है जिसके परिणामों के रूप में हम रूस-यूक्रेन, हमास-इजरायल युद्ध की विभीषिकाओं को, आतंकवाद को, सांप्रदायिकता, महंगाई, बेरोजगारी को देख सकते हैं, जिनकी निष्पत्तियां हैं समाज में हिंसा, नफरत, द्वेष, लोभ, गलाकाट प्रतिस्पर्धा, रिश्ते में दरारें आदि। सर्वाधिक प्रभाव पर्यावरणीय असंतुलन एवं प्रदूषण के रूप में उभरा है। चंद हाथों में सिमटी समृद्धि की वजह से बड़े और तथाकथित संपन्न लोग ही नहीं बल्कि देश का एक बड़ा तबका मानवीयता से शून्य अपसंस्कृति का शिकार हो गया है। अनेक बुराइयां बिन बुलाए घर आ गईं। आदमी-आदमी से असुरक्षित हो गया। हिंसा, झूठ, चोरी, बलात्कार, संग्रह जैसे निषेधात्मक संस्कारों ने मनुष्य को पकड़ लिया। चेहरे ही नहीं चरित्र तक अपनी पहचान खोने लगे। नीति और निष्ठा के केंद्र बदलने लगे। आस्था की नींव कमजोर पड़ने लगे।

धन के प्रति हमारा नजरिया विसंगतिपूर्ण है। इस प्रक्रिया में हमारा दीपावली एवं धनतेरस मनाना कहां सार्थक रह पाया है। क्योंकि सारी सामाजिक मान्यताओं, मानवीय मूल्यों, मर्यादाओं को ताक पर रखकर कैसे भी धन एकत्र कर लेने को सफलता का मानक माने जाने लगा है जिससे राजनीति, साहित्य, कला, धर्म सभी को पैसे की तराजू पर तोला जाने लगा है। इस प्रवृत्ति के बड़े खतरनाक नतीजे सामने आ रहे हैं।

समृद्धि की तथाकथित आधुनिक जीवनशैली ने जीवन मूल्यों के प्रति अनास्था को पनपाया है। समृद्धि के बदलते मायने तभी कल्याणकारी बन सकते हैं जब समृद्धि के साथ चरित्र निष्ठा और नैतिकता भी कायम रहे। शुद्ध साध्य के लिए शुद्ध साधन अपनाने की बात इसीलिए जरूरी है कि समृद्धि के रूप में प्राप्त साधनों का सही दिशा में सही लक्ष्य के साथ उपयोग हो। संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना जागे।

शिवपुरी पुलिस की अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही जारी

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी रघुवंश सिंह भदौरिया के द्वारा जिले में अवैध शराब की रोकथाम करने हेतु चलाये जा रहा है जिसके तहत क्षेत्र मे अवैध गतिविधियों अवैध शराब जुआ सट्टा आदि पर अंकुश लगाने के लिये अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपरनाने के आदेश दिये गये हैं । अभियान के तहत अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले एवं एस.डी.ओ.पी. अनुभाग कोलारस के मार्गदर्शन मे दिनांक– 05.11.2023 को दौराने ईलाका गस्त के मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि जोगेन्दर सिंह सिख निवासी कनावदा का अपने मकान के सामने दो बडी प्लास्टिक की नीले से रंग की केनों में हाथ भट्टी की कच्ची शराब अवैध रुप से कहीं ले जाने के लिये साधन के इन्तजार में खडा है । मुखबिर की सूचना की तस्दीक हेतु हमराह फोर्स को साथ लेकर मुखबिर के बताये ग्राम कनावदा जोगेन्दर सिंह सिख के मकान के सामने पहुंचे तो एक व्यक्ति दो नीले रंग की प्लास्टिक की कैने रखे खड़ा दिखा जो पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे हमराह फोर्स व साक्षियों की मदद से घेरकर पकडा नाम पता पूछने पर अपना नाम जोगेन्दर पुत्र पूरनसिंह सिख उम्र 42 साल नि. कनावदा का होना बताया । कट्टियों के ढक्कन खोलकर देखा तो कट्टियों में तरल पदार्थ भरा था जिसे सूंघकर व चखकर देखा तो कट्टियों में से हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब भरी होना पाई गई। जोगेन्दर सिख से शराब रखने व बेचने संबंधी लायसेंस मांगा जिसने न होना बताया। जिससे दोनों कट्टियों में करीब 30-30 ली. कुल 60 ली. हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब कीमती करीब 6000 रु. की जब्त की गई एवं आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी का कृत्य 34(2) आबकारी एक्ट के तहत दण्डनीय पाया जाने से अपराध पंजीबद्ध किया गया।

इस कार्यवाही में निरीक्षक जितेन्द्र सिंह मावई, उनि. रामराजा तिवारी, प्र.आर. 394 विशाल सिंह, आर. 1053 नरेन्द्र शर्मा, आर. 925 बलवीर सिंह की विशेष भूमिका रही ।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला शिवपुरी द्वारा पुलिस अधीक्षक जिला शिवपुरी की अनुशंसा पर

दिनांक 08.11.2023 को जिले के निम्नलिखित 01 अपराधी को जिलाबदर एवं 05 थाना अटैच किये जाने का आदेश पारित किया थाना अटैच -

राकेश परिहार पिछोर
9691338626
शिवपुरी

1अर्जुन पुत्र रामसिंह यादव उम्र 23 साल निवासी ग्राम मनका थाना पिछोर जिला शिवपुरी (म.प्र.)

2.अजय रावत पुत्र बृजमोहन उर्फ कल्लू रावत उम्र 22 साल, निवासी ग्राम कारोवाह थाना सीहोर, जिला शिवपुरी (म.प्र.)

3.अनिल बघेल पुत्र स्व.श्री चंद्रभान बघेल, उम्र 44 साल निवासी महाराणा प्रताप कॉलोनी शिवपुरी थाना कोतवाली, जिला शिवपुरी (म.प्र.)

4.मनोज प्रजापति पुत्र काशीराम प्रजापति, उम्र 36 साल निवासी कमलागंज प्रजापति मोहल्ला थाना फिजीकल, जिला शिवपुरी (म.प्र.)

5.मोनू पवैया पुत्र अमर सिंह पवैया उम्र 30 साल ग्राम सतनवाड़ा कलां, थाना सतनवाड़ा जिला शिवपुरी (म.प्र.)

जिलाबदर --

1.घनश्याम पुत्र गोपीराम खंगार उम्र 45 साल निवासी ग्राम कालीपहाड़ी, थाना सीहोर जिला शिवपुरी (म.प्र.)

चाचौड़ा विधानसभा में त्रिकोणीय संघर्ष होता नजर आ रहा है रोचक

योगेश शर्मा राजोरिया
चाचौड़ा
पुष्पांजलि टुडे

चाचौड़ा विधानसभा का चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आता जा रहा है रोचक होता नजर आ रहा है एक और कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार लक्ष्मण सिंह जी अपनी परिचित शैली में जनता के बीच जाकर भय मुक्त चाचौड़ा जिला बन के आश्वासन के साथ नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से प्रचार प्रसार में जुटे हैं तो दूसरी ओर भाजपा प्रत्याशी प्रियंका मीणा और भाजपा छोड़ आम आदमी पार्टी प्रत्याशी ममता मीना आपस में एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाने में लगे हुए हैं अब देखना है कि मतदाता किसे अपना नेता चुनता है भाजपा प्रत्याशी को कांग्रेस की बजाय भाजपा से बागी हुई आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी ममता मीना से नुकसान होता नजर आ रहा है दोनों ही प्रत्याशीआईपीएस एवं आई आर एस की पत्नि हैं तो कांग्रेस से लक्ष्मण सिंह जी भी पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जी के छोटे भाई एवं छोटे राजा साहब के नाम से जाने जाते हैं समय काम है और मतदाताओं को रिझाने में तीनों ही उम्मीदवार कोई कसर छोड़ने नजर नहीं आ रहे हैं अगर आम जनता की माने तो इस बार भी हार जीत का अंतर बहुत ही काम नजर आ रहा है

सामान्य प्रेक्षक शिवपुरी ने डाकमत एवं प्रशिक्षण कार्य का किया निरीक्षण

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- विधानसभा शिवपुरी में वर्तमान में उत्कृष्ट स्कूल क्र 1 और हायर सेकेंडरी स्कूल क्र 2 में मतदान दलों का प्रशिक्षण के साथ डाकमत पत्र एवं ईडीसी का कार्य चल रहा है जिसका निरीक्षण बुधवार को सामान्य प्रेक्षक रिपुदमन सिंह ढिल्लन के द्वारा किया गया। उनके द्वारा प्रशिक्षण ले रहे दलों से मतदान सम्बन्धी प्रश्न भी पूछे जिसमे महिला दलों के द्वारा बेहद सटीक तरीके जवाब दिए गए, जिसकी प्रेक्षक द्वारा प्रशंसा भी की गयी।सभी दलों को उनके द्वारा 17 नवंबर के लिए शुभकामनाये दीं। साथ में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी शिवपुरी विधानसभा अनूप श्रीवास्तव, सीईओ जनपद शिवपुरी गिर्राज शर्मा, नायब तहसीलदार शिवम् उपाध्याय, अनिल धाक?, शिप्रा उपाध्याय, बीइओ निगम, बीआरसी ओझा, प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय उपस्थित थे।

आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल जी पंजाब के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी प्रत्याशी ममता मीना का बीनागंज में हुआ भव्य स्वागत

योगेश शर्मा राजोरिया
चाचौड़ा
पुष्पांजलि टुडे

आम आदमी पार्टी प्रत्याशी ममता मीना ने एक बार फिर से रोड शो के दौरान दोनों ही पार्टियों को अपनी शक्ति दिखा दी है जिस तरह रोड शो के दौरान उन्हें जनता का समर्थन मिला उसे देखते हुए लगता है कि आम जनता की चहेती नेता है और दोनों ही प्रत्याशियों में भरी नजर आ रहा है रोड शो के दौरान आम जनता ने आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी प्रत्याशी ममता मीना का हर फूल माला से भव्य स्वागत किया इस मौके पर आमजन समूह एवं कार्यकर्ता मौजूद रहेममता मीना की जनसंपर्क के बाद आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल का भव्य स्वागत किया गया एवं उन्होंने आम जनता को संबोधित किया एवं पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा भी जनता को संबोधित किया गया

लगातार क्षेत्र में दिख रहा आचार संहिता उल्लंघन

मुंगावली । आचार संहिता उल्लंघन के मामले लगातार क्षेत्र से सामने आ रहे हैं बुधवार को नगर में संचालित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार मुंगावली से आया है जहां राशन दुकान के ऊपर पार्टी विशेष का झंडा लगा हुआ था राशन दुकान पर किसी भी पार्टी विशेष का झंडा लगा होना एक तरीके से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है राशन दुकान से उपभोक्ताओं को शासन की योजना के अंतर्गत राशन मिलता है ऐसे में राशन दुकान पर किसी पार्टी विशेष का झंडा लगा होना मतदाताओं को भ्रमित कर सकता है और किसी पार्टी विशेष को इसका अनुचित लाभ पहुंचाया जा सकता है राशन दुकान पर किसी पार्टी विशेष का झंडा लगा होना एक तरीके से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है जिसमें नियम अनुसार राशन दुकानदार पर कार्रवाई होना चाहिए।

क्या बोले जिम्मेदार – जानकारी मिली है राशन दुकान पर किसी पार्टी विशेष का झंडा लगा होने की खाद्य विभाग के अधिकारी से मामले की जांच करवा रहे हैं जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

आबकारी विभाग की 228 छापामार कार्यवाहियों में करीब 78 लाख 53 हजार रूपए की शराब और लहान जप्त की

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

शिवपुरी, विधानसभा निर्वाचन 2023 को दृष्टिगत रखते हुए शिवपुरी जिले में अवैध मदिरा की बिक्री पर रोकथाम हेतु कलेक्टर रवीन्?द्र कुमार चौधरी द्वारा सतत कार्यवाही हेतु दिये गये निर्देशों के पालन में म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत अवैध मदिरा धारण, परिवहन, चौर्य नयन एवं विक्रय के विरूद्ध आबकारी टीम द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि आचार संहिता की अवधि में आबकारी विभाग शिवपुरी की टीम द्वारा जिले में हर दिन औसतन 2 लाख 62 हजार की पक?ी जा रही है। अब तक 75 हजार लीटर शराब, लाहन जब्त हो चुकी है। शराब के अवैध कारोबार पर आबकारी विभाग शिवपुरी लगातार प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर रहा है। आचार संहिता लागू होने के 9 अक्टूबर से व 7 नवम्बर तक कुंल 75491 लीटर मदिरा देशी/विदेशीबीयर /हाथ भट्टीलाहन जप्त कर म.प्र. आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत 262 छापामार कार्यवाहियों में कुल 228 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये। जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 78 लाख 53 हजार रूपये है।

पुलिस थाना सिरसौद द्वारा धारा 307 भादवि के अपराध मे आरोपियों को 24 घन्टे के अन्दर किया गिरफ्तार राकेश

परिहार पिछोर
9691338626

शिवपुरी,। दिनांक 07.11.2023 को फरियादी अलबेल सिंह रावत निवासी टोंगरा को पुरानी रंजिश पर से ग्राम टोंगरा के शिवराज रावत व गोपाल रावत द्वारा उसे रास्ते मे रोक कर चाकू मारकर घायल किया एवं आरोपी द्वारा मारा गया चाकू सीने मे फसा रह गया था व आरोपी उसे छोड़ कर भाग गये थे, परिजनो द्वारा चाकू निकाल कर अलबेल को जिला अस्पताल शिवपुरी ले जाया गया जहा से डाक्टरों द्वारा उसे मेडीकल कॉलेज शिवपुरी एंव मेडीकल कॉलेज शिवपुरी से ग्वालियर रैफर किया गया था । उक्त रिपोर्ट पर से थाना सिरसौद पर आरोपीगणो के विरूद्ध धारा 307,341,294, 506,34 भादवि का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया । अपराध की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा निर्देशन देते हुये आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के आदेश दिये । जिस पर अति पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी पोहरी के मार्ग दर्शन मे थाना प्रभारी सिरसौद उप निरीक्षक राजीब दुबे द्वारा घटना के 24 घन्टे के अन्दर आरोपी शिवराज रावत एवं गोपाल रावत को गिरस्तार किया गया है आरोपी की गिरस्तारी मे थाना प्रभारी सिरसौद राजीब दुबे एवं सउनि जगदीश भिलाल, प्रआर0 सोनू रजक, प्रआर0 अमित चतुर्वेदी, आरक्षक चालक राजेश मिश्रा, महिला आरक्षक चुमकी मण्डल, आरक्षक विक्रम सिंह की सराहनीय भूमिका रही है।

पंचायत सचिव सेवाखेड़ी के वित्तीय अधिकार पर रोक, 3 लाख वसूली के आदेश,

मामला ग्राम पंचायत अतवेई में निर्माण कार्यों को मूल्यांकन योग्य न पाए जाने पर को जिला पंचायत सीईओ की कार्रवाई

शिवपुरी । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उमराव सिंह मरावी ने जनपद पंचायत पोहरी के ग्राम पंचायत अतवेइ के तत्कालीन सचिव लालू राम वर्मा के खिलाफ वित्तीय अधिकार पर रोक लगाते हुए 3 लाख रुपए वसूली के आदेश किए है। जानकारी के अनुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पोहरी के प्रस्ताव अनुसार लालू राम वर्मा तत्कालीन सचिव अतवेई एवम सरपंच शिमला धाकड़ द्वारा वर्ष 2010-11 में बीआरजीएफ योजना अंतर्गत आंगनवाड़ी भवन निर्माण की राशि 4 लाख एवं शमशान घाट टीन सेट निर्माण के कार्य की राशि 2 लाख रु का आहरण कर कार्य स्थल पर कराए गए कार्य मूल्यांकन योग्य नहीं पाए जाने के कारण उक्त प्रस्ताव अनुसार प्रकरण मध्यप्रदेश पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 92 के अंतर्गत वसूली प्रकरण पंजीबद्ध होकर प्रचलित है। उक्त प्रकरण में सरपंच द्वारा 293500 रु जमा कर दिए।शेष 6500 रु जमा की कार्रवाई प्रचलन में है। कई बार सुनवाई हेतु अवसर देने के बाद भी राशि जमा नहीं की गई। जिस कारण संचालक पंचायत राज मध्य प्रदेश के निर्देशों के पालन में तत्कालीन सचिव लालू राम वर्मा वर्तमान ग्राम पंचायत सेवाखेड़ी पर प्रचलित प्रकरण के तहत पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 69(1) के तहत प्रदत्त वित्तीय अधिकार वसूली जमा किए जाने तक प्रतिबंधित किए जाते हैं। तब तक केवल सचिवीय कार्य संपादित करेंगे।जिला पंचायत सीईओ श्री मरावी ने जनपद पंचायत पोहरी ष्ढ्रश्व को निर्देशित किया कि सचिव की मासिक वेतन से ?3 लाख सामान किस्तों में कटोत्रा कर प्रतिमाह इस कार्यालय को अवगत काराये।

पंचायत सचिव सेवाखेड़ी के वित्तीय अधिकार पर रोक, 3 लाख वसूली के आदेश,

मामला ग्राम पंचायत अतवेई में निर्माण कार्यों को मूल्यांकन योग्य न पाए जाने पर को जिला पंचायत सीईओ की कार्रवाई

शिवपुरी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उमराव सिंह मरावी ने जनपद पंचायत पोहरी के ग्राम पंचायत अतवेइ के तत्कालीन सचिव लालू राम वर्मा के खिलाफ वित्तीय अधिकार पर रोक लगाते हुए 3 लाख रुपए वसूली के आदेश किए है। जानकारी के अनुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पोहरी के प्रस्ताव अनुसार लालू राम वर्मा तत्कालीन सचिव अतवेई एवम सरपंच शिमला धाकड़ द्वारा वर्ष 2010-11 में बीआरजीएफ योजना अंतर्गत आंगनवाड़ी भवन निर्माण की राशि 4 लाख एवं शमशान घाट टीन सेट निर्माण के कार्य की राशि 2 लाख रु का आहरण कर कार्य स्थल पर कराए गए कार्य मूल्यांकन योग्य नहीं पाए जाने के कारण उक्त प्रस्ताव अनुसार प्रकरण मध्यप्रदेश पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 92 के अंतर्गत वसूली प्रकरण पंजीबद्ध होकर प्रचलित है। उक्त प्रकरण में सरपंच द्वारा 293500 रु जमा कर दिए।शेष 6500 रु जमा की कार्रवाई प्रचलन में है। कई बार सुनवाई हेतु अवसर देने के बाद भी राशि जमा नहीं की गई। जिस कारण संचालक पंचायत राज मध्य प्रदेश के निर्देशों के पालन में तत्कालीन सचिव लालू राम वर्मा वर्तमान ग्राम पंचायत सेवाखेड़ी पर प्रचलित प्रकरण के तहत पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 69(1) के तहत प्रदत्त वित्तीय अधिकार वसूली जमा किए जाने तक प्रतिबंधित किए जाते हैं। तब तक केवल सचिवीय कार्य संपादित करेंगे।जिला पंचायत सीईओ श्री मरावी ने जनपद पंचायत पोहरी ष्ढ्रश्व को निर्देशित किया कि सचिव की मासिक वेतन से ?3 लाख सामान किस्तों में कटोत्रा कर प्रतिमाह इस कार्यालय को अवगत काराये।

करेरा थाना पुलिस को मिली सफलता आबकारी एक्ट के 6 वर्ष पुराने प्रकरण में वांटेड स्थाई गिरफ्तारी वारंटी को किया गिरफ्तार ।

देश भक्ति
जन सेवा
पुलिस थाना करैरा

पुलिस अधीक्षक रघुवंश कुमार सिंह जी के निर्देशन में आगामी विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए फरार अपराधी व स्थाई गिरफ्तारी वारंटियों की गिरफ्तारी का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विशेष अभियान के अंतर्गत अति0 पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एस.डी.ओ. पी. करैरा शिवनारायण मुकाती के मार्गदर्शन में व थाना प्रभारी करैरा निरीक्षक सुरेश शर्मा के नेतृत्व में पुलिस थाना करैरा टीम नें वर्ष 2017 के धारा 34(1) आबकारी एक्ट के प्रकरण में फरार स्थाई गिरफ्तारी वारंटी रामनिवास पुत्र दफिया जाटव उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम हाथरस थाना करैरा को उसके ग्राम हाथरस से मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया । रामनिवास जाटव को करैरा पुलिस ने वर्ष 2017 में अवैध शराब बेचते गिरफ्तार किया था इस प्रकरण में यह कई वर्ष से वांटेड था । पुलिस थाना करैरा की टीम में एएसआई शैलेन्द्र सिंह चौहान, सुबोध टोप्पो, प्रधान आरक्षक राजेंद्र यादव वआरक्षक चन्द्र शेखर मीणा शामिल रहे ।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बूथ लेवल अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी होंगे पुरस्कृत

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा किया जा रहा नवाचार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए प्रदेश में 17 नवंबर को मतदान होगा। प्रदेश में इस बार मतदान प्रतिशत को ब?ाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी और बूथ लेवल अधिकारी को नकद राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। यह नवाचार मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा किया जा रहा है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि निर्वाचन कार्य में बीएलओ की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत वाले शीर्ष 3-3 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को सम्मानित किया जाएगा। इस तरह से प्रदेश के 690 बीएलओ को पुरस्कार के रूप में 5-5 हजार रुपये की नकद राशि व प्रशस्ति पत्र भेंट की जाएगी।इसी प्रकार स्वीप गतिविधियों के माध्यम से जिले में मतदान प्रतिशत ब?ाने और निर्वाचन प्रक्रिया में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 230 विधानसभा क्षेत्रों में से शीर्ष-3 विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों को 1-1 लाख रुपये और शीर्ष -3 कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी और जिला नोडल अधिकारी (स्वीप) को संबंधित विधानसभा क्षेत्र एवं जिले में स्वीप गतिविधियों के लिए 5-5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया जाएगा। चयनित अधिकारियों-कर्मचारियों को यह पुरस्कार 25 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रदेश के राज्यपाल द्वारा भव्य और गरिमामय सम्मान समारोह में दिया जाएगा।

विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत स्वीप प्लान का कार्यक्रम सम्पन्न

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत स्वीप प्लान के तहत शासकीय ई एफ ए जे पी बी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दमोह में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जहां बच्चों ने विभिन्न प्रकार की रंगोली और मानव संख्या के तहत वोट शब्द लिखकर सभी नागरिकों से वोट करने की अपील की। इस दौरान संस्था के प्राचार्य डीके मिश्रा ने सभी शिक्षकों एवं बच्चों को शपथ दिलाई।

मुझे भाजपा में सच बोलने की सजा मिली, मैं अब कांग्रेस का: बृजेन्द्र तिवारी

ग्वालियर। भाजपा विधायक रहे वरिष्ठ कटटर लोहियावादी नेता बृजेन्द्र तिवारी गुरूवार 9 नवंबर को कांग्रेस की सदस्यता ले रहे हैं। उन्होंने बुधवार को सायं इस संवाददाता से बातचीत में कहा कि मैं स्वच्छ और पारदर्शिता की राजनीति करने के कारण उपेक्षित रहा। मुझे भाजपा ने सच बोलने की सजा दी और उपेक्षित किया। बृजेन्द्र तिवारी ने कहा कि उनका भाजपा से मोहभंग हो गया है, वह सुचिता की राजनीति करते है। राजनीतिक जीवन में मैंने कभी भी पक्षपात नहीं किया और ईमानदारी से क्षेत्र, अंचल की सेवा की। मुझे हमेशा भाजपा नेता सच बोलने की सजा देते रहे हैं। लेकिन अब मैं कांग्रेस में शामिल हो रहा हूं। मेरे साथ लगभग 5 हजार लोग भी कांग्रेस में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह व नेता प्रतिपक्ष डा. गोविंद सिंह के समक्ष कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करेंगे।

कांग्रेस की विजय के लिये काम करूंगा-पूर्व विधायक बृजेन्द्र तिवारी ने कहा कि वह अंचलभर में कांग्रेस प्रत्याशियों की विजयश्री के लिये काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भितरवार के साथ उन्होंने संभाग की कई सीटों पर जाने की तैयारी की हैं। कांग्रेस नेतृत्व उन्हें जहां भी भेजेगा, वह वहां जायेंगे और कांग्रेस की विजय के लिये काम करेंगे।

शासकीय ललित कला संस्थान में कला मेला लगा, उत्साहित दिखे छात्र-छात्रायें

ग्वालियर। शासकीय ललित कला संस्थान महाविद्यालय में लगे तीन दिवसीय दीपकला उत्सव कला मेला का समापन हो गया। उत्सव के अंतिम दिन युवा कलाकारों द्वारा निर्मित कलाकृतियों एवं कला प्रदर्शनी को देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। लोगों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन कर कलाकृतियां खरीदी। मेले में काफी लोगों ने अपने लाईफ पोट्रेट भी बनवाये। हैण्डीक्राफ्ट की कलाकृतियां भी काफी विक्रय हुई। प्रभारी प्राचार्य मधुसूदन शर्मा ने कहा कि आगामी माहों में पुनः आर्ट मेला का आयोजन किया जायेगा। उत्सव में कलाकृतियों की विक्रय से छात्र-छात्रायें उत्साहित दिखे।

जेयू के इतिहास विभाग में व्याख्यान का हुआ आयोजन

ग्वालियर । 1857 की कान्ति को विदेशी लेखकों द्वारा सैनिक विद्रोह कहा गया,जबकि वह भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का पहला स्वतंत्रता संग्राम था।10 मई 1857 को हुए प्रथम राष्ट्रीय आंदोलन ने देश के हर वर्ग के सभी लोगों में राष्ट्रीय चेतना उत्पन्न की जिसके कारण हर वर्ग में ब्रिटिश शासन के प्रति आक्रोश उभर कर सामने आया। उनके अनुसार 1857 की कान्ति में जनजातीय आंदोलन, समाज सुधार आंदोलन, धार्मिक आंदोलन और राजनैतिक आंदोलन इन सभी आंदोलनो के द्वारा राष्ट्रवाद की भावना का उदय हुआ। यह बात माधव महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. संतोष शर्मा ने इतिहास विभाग में आयोजित व्याख्यान में कही। उन्होंने बिरसा मुंडा की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कुछ विदेशी इतिहासकार मानते है कि राष्ट्वाद शब्द विदेशी लेखकों के द्वारा दिया गया जबकि भारतीय इतिहास में प्राचीन समय से यह भावना व्याप्त थी। भारत में प्राचीन काल से मौर्य साम्राज्य में राष्ट्वाद शब्द मिलता है। भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के अनेक स्त्रतंत्रता सेनानियों के विषय में अधिक जानकारी लोगों को नहीं है। इसलिए विद्यार्थियों एंव शोधार्थियों को आगे आकर अभिलेखागार आदि में संरक्षित स्त्रोतों का अध्ययन कर नवीन सामाग्रियों को प्रकाश में लाना चाहिए जिससे जनमानस उनसे परचित हो सके। कार्यक्रम का संचालन प्रो. ए.के. सिंह व आभार व्यक्त प्रो. शन्तिदेव सिसौदिया ने किया।इस अवसर पर डॉ.जयंती शर्मा,डॉ. भारत भूषण, राकेश कुमार,आकाश शर्मा सहित छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

भाजपा भ्रम फैलाने की राजनीति कर रही है: सतीश सिकरवार

ग्वालियर। ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कहा है कि भाजपा जनता को असली मुद्धों से भटकाने एवं भ्रम फैलाने की राजनीति कर रही है। विकास व प्रगति के साथ मंहगाई, बैरोजगारी और भ्रष्?टाचार पर बात नहीं कर रही है। आम जनता लगातार बढ रही मंहगाई से परेशान है और भाजपा ने जनहित के मुद्धों पर आंख और मुंह बंद कर लिया है। एक मात्र कांग्रेस पार्टी है जो सर्वहारा वर्ग के उत्थान के साथ गरीब कल्याण की बात रखती है। विधायक डॉ. सिकरवार ने वार्ड क्रमांक 29 के महलगांव कैलादेवी मंदिर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जनसंपर्क प्रारम्भ कर कुंदन नगर, पंत नगर, सरस्वती विहार, महलगांव गली नं.1, 2, 3, 4, 5 में आम लोगों से चर्चा करते हुए कहा कि आप के दुख-सुख में और मान-सम्मान करने में कौन आपके साथ खडा रहता है। यह सब आप सबको देखना होगा। जनता के बीच कभी भी संघर्ष नहीं करने वालों को आप आराम से घर बैठाने का काम करें। जनता की हर समस्या का निराकरण करने के लिए जीवन की आखरी सांस तक संघर्ष करता रहूँगा। आपका स्नेह और आर्शीवाद से मुझे ऊर्जा प्राप्त होती है और मैं आपकी लडाई ल?ने में स्वंय को सक्षम पाता हूॅ। जो आपके बीच कभी न आया हो, अब ऐसे लोग वोट मांगने आएंगे, ऐसे लोगों को सबक सिखाने का काम आप सबको करना है। कुछ लोग हैं जो सिर्फ चुनाव से नजर आते हैं और अपना उल्लू सीधा करने लिए, मगर इन्हें आप हमेशा के लिए घर बैठाएं, ताकि उन्हें पता चले की मौका-परस्तों का जनता साथ नहीं देती है। आपका एक-एक वोट ग्वालियर पूर्व की विकास यात्रा को आगे बढाने का काम करेगा। इसके साथ महापौर डॉ. शोभा सतीष सिकरवार ने वार्ड क्रमांक 20 के काल्पी ब्रिज कॉलोनी, चंदेल वाली गली, भोई मौहल्ला, अशोक कॉलोनी, राजू किराना स्टोर वाली गली एवं आस-पास की गलियों में, पूर्व विधायक सत्यपाल सिंह सिकरवार 'नीटू', सत्यप्रकाश सिकरवार एवं आदित्य सिकरवार ने भी कई वार्डों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ घर-घर पहुँचकर जनसंपर्क किया।

मुरैना में गरजे पीएम मोदी, कहा - कपड़े फाड़ने वालों ने ही मप्र को बीमारू राज्य बनाया

मुरैना। मुरैना में एसएफ मैदान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के कमलनाथ और दिग्विजय सिंह का नाम लिए बिना निशाना साधते हुए कहा कि कप? फा?ने वालों ने ही मप्र को बीमारू राज्य बनाया है। पीएम मोदी ने कहा कि आज कांग्रेस के ब? नेताओं के बीच क्या चल रहा है, आप सभी देख रहे हैं। इतना ब?ा चुनाव चल रहा है वो कप? फा?ने के कंपटीशन में लगे हैं। ये वही चेहरे हैं जो जिन्होंने लंबे समय तक कांग्रेस व उसकी सरकारों को चलाया है। एमपी को बीमारू राज्य बना दिया। उसके लिए ऐसे ही नेता जिम्मेदार हैं। इन्हीं लोगों ने एमपी को बरबाद किया है तो इन्हें सजा मिलनी चाहिए। चंबल की धरती है यहां सजा ब?ी पक्की होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार मुसलमानों का है, लेकिन हमारी सरकार कहती है कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार गरीबों का है। एमपी के 18 से 33 साल के नौजवान यह बात समझ रहे हैं। एमपी का नौजवान कह रहा है कांग्रेसी सरकार ने हमारे माता पिता के लिए कुछ नहीं किया, वो हमारा भविष्य कैसे बना सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को केवल तीन परिवार दिख रहे हैं। उन्हीं के लिए काम करते है। एक परिवार दिल्ली में हैं और दो परिवार एमपी में है। कांग्रेस नेता यह चुनाव अपने लिए व अपना परिवार को स्थापित करने के लिए लड़ रहे है। जब नेता अपने बारे में ही सोचते रहेंगे तो एमपी का विकास कैसे संभव है। लेकिन भाजपा के लिए गरीब, मध्यमवर्ग, आदिवासी परिवारों के बच्चों का भविष्य बनाना सर्वोपरि है। मोदी ने कहा मैं इसी संकल्प को सिद्ध करने में मेहनत करने में कमी नहीं रखता। परमात्मा ने जितनी शक्ति दी है। जितना समय दिया है। हर पल आपके सपनों को साकार करने के लिए जुटा रहता हूं। आज भी मैं मुरैना अपने ईमानदार प्रयासों की गारंटी देने के लिए आया हूं। आप भी जानते हैं कि मोदी की गारंटी, यानि हर गारंटी पूरा होने की गारंटी। मोदी की गारंटी क्या होती है इसका उदाहरण वनरैंक वन पेंशन, कांग्रेस के चार दशक तक सैनिकों की बात नहीं सुनी। सैनिक कांग्रेस के रवैये से परेशान थे। कांग्रेस ने सैनिकों से झूठ बोलना, झूठी गारंटी देना। गुमराह करना। बेईमानी से काम करते रहे। 5सौ करोड रुपए में वन रैंक वन पैसन संभव नहीं था। मोदी ने गारंटी दी थी। हमने डंके की चोट पर लागू किया। 70 हजार करोड रुपए पूर्व सैनिकों को मिल चुके हैं।

मोदी ने कहा कि आज के नौजवानों के लिए जानना जरूरी है कि कांग्रेस ने हमेशा देश की सुरक्षा के साथ खिलवा? किया है। आजादी के बाद देश के घोटालों में सैना से ही घोटाला करने का शुभारंभ कांग्रेस ने किया। कांग्रेस ने ही सैना को विदेशी हथियारों की मदद पर रखा। आतंकी सैनिकों सिर काटकर ले जाते थे, कांग्रेस सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी रहती थी। देश में आतंकी हमले होते थे। कांग्रेस के लोग विदेशों से मदद मांगते थे। आज का भारत नया भारत है। आज का भारत आतंकियों को उन्हीं की भाषा में जवाब देता है। आज सीमा पर तैनात, हमारे सपूतों को आधुनिक सुविधाएं दी जा रही है।मोदी ने कहा कि मैं गरीबी को जानता हूं, क्योंकि मैं गरीबी से निकला हूं और गरीबी को जिया है। कांग्रेस के लोग मेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने चुनाव आयोग गए हैं और कह रहे हैं कि मैं गरीबों को राशन नहीं दे सकता है।

नरक चौदस पर एक दिया पुरखों के नाम, मुक्तिधाम में दिये जलाएंगे प्रभात झा

ग्वालियर। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद प्रभात झा प्रति वर्ष की भांति इस बार भी छोटी दीपावली 11 नवंबर को एक दिया पुरखों के नाम नरक चौदस के दिन ग्वालियर महानगर के मुक्तिधामों पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आमजनों के साथ ग्वालियर क्षेत्र के एवं अपने पुरखों के लिए दिये जलाएंगे। यह जानकारी एक विज्ञप्ति में दी गई। जानकारी के अनुसार भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा इस दिन सायं 4 बजे मुरार मुक्तिधाम पर, सायं 4.30 बजे चार शहर का नाका एवं सायं 5 बजे लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम पर पूर्वजों की याद में दीपदान करेंगे। ज्ञातव्य है कि प्रभात झा ने विगत दो दशकों से दीपावली पर्व पर इस अनूठी परंपरा को निरंतर बनाए रखा है। प्रभात झा कहते हैं कि भारतीय धार्मिक संस्क्रति में शुरुआत से ही छोटी दीपावली पर पुरखों के नाम दीपक जलाने की परंपरा रही है। इस दिन पड़ने वाली नरक चौदस के दिन इस सुदीर्घ परंपरा का निर्वाह किया जाता है। ग्वालियर शहर को आज हम जिस सुविकसित व उज्जवल अभिनव स्वरूप में देख रहे हैं, उसकी पृष्ठभूमि में हम सभी के पुरखों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस तरह हम छोटी दीपावली पर अपने महान पुरखों की पुण्य स्मृति में दीप जलाकर अंचल के चतुर्दिक विकास में उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करेंगे। उन्होंने सभी शहरवासियों से इस अवसर पर उपस्थिति का आग्रह किया है।

संकट के समय में एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड से पहले दक्षिण का बेटा पहुंचता है अपने परिजनों के पास: विधायक पाठक

ग्वालियर7 दक्षिण से कांग्रेस पार्टी के विधायक एवं आगामी विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी प्रवीण पाठक ने कहा है कि संकट के समय में ग्वालियर दक्षिण के अपने परिजनों के पास एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड पहुंचने के पहले उनका यह बेटा पहुंचता है। उन्होंने कहा कि जब से मैं विधायक बना हूं ग्वालियर दक्षिण के अपने परिजनों के साथ उनके सुख दुख में हमेशा साथ खड़ा रहा हूं । आगे भी उनके सुख-दुख में हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहूंगा। विधायक पाठक ने कहा कि अपने परिजनों के दुख के समय, मैं हमेशा फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस से पहले पहुंचा हूं। ग्वालियर दक्षिण के मेरे परिजन आगामी चुनाव में उस व्यक्ति को चुनेंगे जो हमेशा उनके सुख-दुख में पूरे 5 साल साथ रहता है। मुझे उम्मीद ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि ग्वालियर दक्षिण के संपूर्ण विकास के लिए मेरे परिजन मुझे भारी मतों से जिताकर एक बार फिर अपना आशीर्वाद प्रदान करेंगे और मैं भी उनकी उम्मीदों पर खरा उतरा हूं और आगे भी खरा उतरूंगा। विधायक पाठक ने उपस्थित लोगों से कांग्रेस के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने से बहुत सारी कल्याणकारी योजनाएं शुरू होगी जिससे कि शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य क्षेत्रों में भी आम आदमी को काफी लाभ मिलेगा। कांग्रेस प्रत्याशी प्रवीण पाठक का परिजन संपर्क कार्यक्रम आज वार्ड 44 में जारी रहा । इसके तहत सुबह सभी कार्यकर्ता चिटनिस की गोठ पर एकत्रित होकर आगे बढ़ें और फटाखे वाली गली, जिंसी नाला नंबर 3, बाला बाई का बाजार, हुजरात सब्जी मंडी, हुजरात बैंड मार्केट, दौलतगंज, खुर्जे वाला मोहल्ला, भापकर की गोठ ,गाड़गे की गोठ ,राजा बाक्षर की गोठ ,निंबालकर की गोट नंबर 1 से होते हुए हनुमान नगर फालका बाजार पर पहुंचकर आज का परिजन संपर्क संपन्न हुआ ?। इस दौरान विधायक पाठक का बैंड बाजों के साथ स्वागत किया गया। लोगों ने अपने-अपने घरों से निकल कर फूल मालाओं के साथ एवं शाल श्रीफल देकर स्वागत किया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। **E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478**